



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

सामिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 245]

नई दिल्ली, ब्रह्मपतिघार, अगस्त 23, 2007/भाप्रा 1, 1929

No. 245]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 23, 2007/BHADRA 1, 1929

ब्रह्मण्डम् एवं उक्तोग्रं भूमालय

(सामिकार विभाग)

(पाठनरोधी पूर्ण संबद्ध सामुक्य प्रकाशितेशलय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 2007

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित फास्फोरिक एसिड-तकनीकी तथा खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित) को आयातों से संबंधित पाठनरोधी जांच।

सं. 14/7/2006-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाठनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाठनरोधी नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

2. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन.जन.गण. (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित फास्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड तथा खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित)(जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाठन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से मै. गुजरात अल्कलीज एंड कैमिकल लि. तथा सोलारिस कैमटेक लि. द्वारा दायर एक आवेदन प्राप्त हुआ।
- (ii) प्राधिकारी ने आवेदन द्वारा प्राप्त साक्ष्य के आधार पर चीन.जन.गण. के मूल के/अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में जांच शुरू करना उन्नित पाया। प्राधिकारी ने नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व साठन के आरोप की प्राप्ति के बारे में नई दिल्ली स्थित चीन जन.गण. के दूतावास को सूचित किया।

- (iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के अध्याय 28 के अंतर्गत अधिसूचित चीन.जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 4.7.2006 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया ।
- (iv) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक ने उपलब्ध कराए थे) को भेजी और उन्हें पत्र की प्राप्ति से चालीस दिनों के भीतर लिखित मैं अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।
- (v) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक ने उपलब्ध कराए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित मैं अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।
- (vi) जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए भारत में हुए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे जुटाने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) तथा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था ।
- (vii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों तथा चीन के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां उपलब्ध कराई । जहां अनुरोध किया गया वहां अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी अगोपनीय आवेदन की प्रति उपलब्ध कराई गई थी ।
- (viii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी ।
- (ix) चीन.जन.गण के निर्यातक मै. युनान कैमफास कारपोरेशन ने 9.4.2007 को निर्यातक प्रश्नावली से संबंधित सूचना प्रस्तुत की ।
- (x) ऐसे अन्य निर्यातकों, उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को असहयोगी हितबद्ध पार्टियां माना गया है जिन्होंने इस जांच में सूचना प्रस्तुत नहीं की है ।
- (xi) बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली सभी ज्ञात निर्यातकों तथा ब्यूरो आफ फेयर ट्रेड (बी ओ एफ टी), चीन सरकार को भेजी गई थी । यद्यपि जांच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ चीन.जन.गण में सामान्य मूल्य पर चीन.जन.गण में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर किया गया था तथापि प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को यह सूचना दी थी कि उनका प्रस्ताव यथा संशोधित पाटनरोधी नियम के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के मद्देनजर आवेदक के दावे की जांच करना है । अतः चीन.जन.गण के संबद्ध वस्तु के निर्यातक/उत्पादक से यह अनुरोध किया

गया था कि वे पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या सहयोगी निर्यातक/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाए ।

- (xii) निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ता/एसोसिएशनों ने प्रश्नावली/अधिसूचना पर उत्तर/सूचना प्रस्तुत की थी :-
1. मै. कैमटालराइ इंडिया लि. (फेयर ट्रेड प्रेक्टिस के माध्यम से)
- (xiii) जिन आयातकों/प्रयोक्ताओं ने इस जांच में सूचना उपलब्ध नहीं कराई थी, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पार्टियां माना गया हैं ।
- (xiv) आवेदक तथा अन्य घरेलू उत्पादकों से भी क्षति के बारे में सूचना मांगी गई थी ।
- (xv) आवेदकों ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में संशोधन का अनुरोध किया था जिस पर प्राधिकारी ने विचार किया था । संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने 11 सितंबर, 2006 को एक शुद्धि पत्र जारी किया । जारी किए गए शुद्धि पत्र के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपने अनुरोध, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान किया गया ।
- (xvi) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण को सार्वजनिक फाइल के रूप में प्रस्तुत किया और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।
- (xvii) सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) और आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत तथा भारत में उसे बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए लागत संबंधी जांच की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा ।
- (xviii) इस अधिसूचना *** हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।
- (xix) यह जांच 1 अप्रैल, 2005 से 31 मार्च, 2006 (12 माह) की अवधि अर्थात् जांच अवधि के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2002-मार्च, 2003, अप्रैल 2003-मार्च, 2004 तथा अप्रैल 2004-मार्च, 2005 एवं जांच अवधि शामिल की गई थी ।

ख. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

ख. १ घरेलू उद्योग का अनुरोध

३. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- (i) वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद "फास्फोरिक ऐसिड-तकनीकी ग्रेड तथा खाद्य ग्रेड" है।
- (ii) फॉस्फोरिक ऐसिड का उपयोग सोडियम फास्फेट, कैल्शियम फास्फेट, अमोनियम फास्फेट आदि के उत्पादन में किया जाता है। संबद्ध वस्तु का उपयोग फार्मास्युटिकल अनुप्रयोगों, पेयों, बीज प्रसंस्करण, गत्रा रस शोधन और चीनी परिष्करण, खाद्य फास्फेट विनिर्माण आदि में भी किया जा रहा है।
- (iii) फास्फोरिक ऐसिड सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित वस्तु प्रणाली पर आधारित) के उपशीर्ष सं. 28092010 के अंतर्गत वर्गीकृत है। फॉस्फोरिक ऐसिड के सभी प्रकार के स्वरूपों/प्रकारों के लिए सीमाशुल्क वर्गीकरण एक समान है।
- (iv) फॉस्फोरिक ऐसिड के आयातों पर कोई प्रतिबंध नहीं है क्योंकि यह उत्पाद प्रतिबंधित सूची में नहीं आता है। इस उत्पाद का आयात किसी भी देश से कितनी ही मात्रा में मुक्त रूप से किया जा सकता है।
- (v) प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरूआत के नोटिस में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र विस्तार का "चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित फास्फोरिक ऐसिड-तकनीकी ग्रेड तथा खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड को छोड़कर) के रूप में उल्लेख है।" इस प्रकार जांच शुरूआत के नोटिस में फास्फोरिक ऐसिड के औद्योगिक ग्रेड को विशेष रूप से छोड़ दिया गया है जबकि औद्योगिक ग्रेड और कुछ नहीं बल्कि विचाराधीन उत्पाद है। भारतीय उत्पादकों के उत्पाद विवरणों में विभिन्न प्रकार के फास्फोरिक ऐसिड का उल्लेख (क) कृषि ग्रेड (जिसे उर्वरक ग्रेड भी कहा जाता है), (ख) तकनीकी ग्रेड, (ग) खाद्य ग्रेड, (घ) फार्मा ग्रेड, अथवा (ङ) लेबोरेटरीज/एनालिटिकल रिएंजेंट ग्रेड के रूप में किया गया है। चीन के उत्पादकों के उत्पाद विवरण में तकनीकी तथा खाद्य ग्रेड का उल्लेख औद्योगिक ग्रेड के रूप में किया गया है। चीन के उत्पादकों द्वारा अलग-अलग कई नामों का प्रयोग किया जाता है। चीन के उत्पादकों द्वारा किसी एकीकृत मानक विवरण का उपयोग नहीं किया जाता है। चीन के उत्पादकों द्वारा कृषि ग्रेड के फास्फोरिक ऐसिड के लिए प्रयुक्त विभिन्न विवरणों में फास्फोरिक ऐसिड-कृषि ग्रेड, फॉस्फोरिक ऐसिड-उर्वरक ग्रेड, प्यूरीफाइड फास्फोरिक ऐसिड शामिल हैं। औद्योगिक ग्रेड के फास्फोरिक ऐसिड के लिए चीन के उत्पादकों/आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त विभिन्न विवरण हैं - फास्फोरिक ऐसिड-तकनीकी ग्रेड, फास्फोरिक ऐसिड-खाद्य ग्रेड, फास्फोरिक ऐसिड-जे आई एस स्टेंडर्ड, फास्फोरिक ऐसिड- ग्राहक विनिर्देशनों के अनुसार, फास्फोरिक ऐसिड-उच्च शुद्धता, फास्फोरिक ऐसिड-औषधीय उपयोग, फास्फोरिक ऐसिड-ग्रेड 1, फास्फोरिक ऐसिड-ग्रे 2, फास्फोरिक ऐसिड-75%,

- फास्कोरिक एसिड-७५%-तकनीकी ग्रेड, फास्कोरिक एसिड-८५%-खाद्य ग्रेड, फास्कोरिक एसिड-४५% औद्योगिक ग्रेड, घूरीकाइड कास्कोरिक एसिड आदि। तीसरे देश के उत्पादकों के उत्पाद विवरणों में शामिल हैं - फास्कोरिक एसिड-कृषि ग्रेड-जिसे उर्वरक ग्रेड या मर्चेट ग्रेड भी कहा जाता है, फास्कोरिक एसिड-औद्योगिक एसिड तकनीकी ग्रेड, फास्कोरिक एसिड-खाद्य ग्रेड, फास्कोरिक एसिड-फार्मा ग्रेड, फास्कोरिक एसिड-आई बी ग्रेड, रिसर्जेंट/लैबोरेटरी ग्रेड, मर्चेट ग्रेड, इलेक्ट्रोनिक ग्रेड, प्लूरीफाइड फास्कोरिक एसिड, कौडेक्स ग्रेड आदि। अमरीका ने इस उत्पाद पर पूर्व में पाटनरोधी शुल्क लगाया था जिसमें शामिल उत्पाद औद्योगिक फास्कोरिक एसिड (कृषि ग्रेड को छोड़कर) शामिल था।
- (vi) संक्षेप में फास्कोरिक एसिड को मौटे तौर पर दी श्रेणियाँ में बांटा जा सकता है- कृषि अनुप्रयोगों और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए, औद्योगिक अनुप्रयोग का फास्कोरिक एसिड खाद्य ग्रेड, तकनीकी ग्रेड तथा आई बी ग्रेड (जिसे फार्मा ग्रेड भी कहा जाता है) का हो सकता है। विभिन्न औद्योगिक फास्कोरिक एसिड तुलनीय हैं और समान वस्तुएँ हैं। उत्पाद के विभिन्न तथा सांदर्भ का उत्पादन किया जा रहा है और भारतीय तथा दीनी बाजार दोनों में इनकी खिक्की की जा रही है। यदि पाटनरोधी शुल्क खाद्य ग्रेड तथा तकनीकी ग्रेड तक सीमित रखा जाएगा और पुनः यदि विशिष्ट रूप से यह कहा जाएगा कि औद्योगिक ग्रेड शामिल नहीं है तो इसका तात्पर्य पाटनरोधी शुल्क के बावजूद उन्होंने धारित कीमतों पर उसका आधार जारी रहना होगा। चूंकि फार्मा ग्रेड भी और कुछ भी भी बाल्क औद्योगिक ग्रेड ही है इसलिए उसे खाद्य ग्रेड की एक व्युत्पत्ति के रूप में शामिल करना अधिकृत है। पूर्व में पाटनरोधी शुल्क फास्कोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड पर लगाया गया था। तथापि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद धरेलू उद्योग में इस कारण से पूर्ण सुधार नहीं किया जा सका तथा प्रतिकूल स्थिति ही सच है। तकनीकी ग्रेड से अधिक शुद्ध सामग्री हीने के कारण खाद्य ग्रेड के उपयोग क्या 100% अनुप्रयोगों में तकनीकी रूप से तकनीकी ग्रेड के स्थान पर किया जा सकता है। क्योंकि खाद्य ग्रेड की कीमत तकनीकी ग्रेड से कम हीनी चाहिए, इसका तात्पर्य है कि इसका उपयोग वाणिज्यिक रूप से तकनीकी ग्रेड के स्थान पर भी होता होगा। इस प्रकार तकनीकी ग्रेड के फास्कोरिक एसिड पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से वस्तुतः बहुत कम राहत मिलेगी।
- (vii) भागीदार कंघनियों द्वारा उत्पादित और दीम. जम. गण. से नियांति उत्पाद में कोई जात अंतर नहीं है। भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्वातन, कीमत नियांति, वितरण एवं विषयन एवं टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मापदंडों के संबंध में दोनों उत्पादों की

विशेषताएं तुलनीय हैं। घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के संबंध में अनिवार्य उत्पाद गुणधर्मों की तुलना से यह पता चलेगा कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के अनिवार्य उत्पाद गुणधर्मों के संबंध में आयातित उत्पाद के समनुरूप हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु चीन से आयातित वस्तु के समान वस्तु हैं।

ख.2 निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों का अनुरोध

4.

- (i) घरेलू उद्योग ने वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद का वर्णन "फास्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड तथा खाद्य ग्रेड" के रूप में किया है। स्पष्ट तौर पर घरेलू उद्योग फास्फोरिक एसिड के केवल दो अलग-अलग ग्रेडों के संबंध में संरक्षण मांग रहा है और उसमें फास्फोरिक एसिड के एक अन्य ग्रेड को वर्तमान पाटनरोधी जांच के दायरे से स्पष्टतः अलग रखा गया है।
- (ii) घरेलू उद्योग ने पूर्व में तकनीकी ग्रेड के फास्फोरिक एसिड पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए एक याचिका दायर की थी जिसके आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। इस प्रकार से संस्तुत पाटनरोधी शुल्क सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 47/2001 के तहत 10 मई, 2001 से लागू हुआ था जो 10 मई, 2006 तक प्रवृत्त रहा। पूर्ववर्ती जांच में विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा के अनुसार घरेलू उद्योग ने फास्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड का दावा फास्फोरिक एसिड के किसी अन्य ग्रेड से अलग ग्रेड के रूप में किया था और केवल तकनीकी ग्रेड के फास्फोरिक एसिड पर ही शुल्क लगाने की मांग की थी जबकि फास्फोरिक एसिड के सभी अन्य ग्रेडों को शामिल नहीं किया था।
- (iii) घरेलू उद्योग ने वर्तमान जांच के दायरे को बढ़ाने का प्रस्ताव किया है और वह फास्फोरिक एसिड के दो ग्रेडों तकनीकी ग्रेड तथा खाद्य ग्रेड पर शुल्क की मांग कर रहा है। अनुरोध किया गया है कि जी ए सी एल खाद्य ग्रेड के फास्फोरिक एसिड के उत्पादक के रूप में सोलारिस कैमटेक लि. का पूर्ववृत्त भी अप्रमाणिक है क्योंकि उन्होंने खाद्य ग्रेड तथा तकनीकी ग्रेड के उत्पादन के बारे में अलग-अलग कोई ब्यौरा नहीं दिया है।
- (iv) फास्फोरिक एसिड के दो ग्रेड- तकनीकी ग्रेड तथा खाद्य ग्रेड दो अलग-अलग उत्पाद हैं और एक-दूसरे की समान वस्तु नहीं हैं। दोनों ग्रेडों के अनुप्रयोग भी एक दूसरे से अलग-अलग हैं क्योंकि एक का उपयोग औद्योगिक प्रयोजन के लिए किया जाता है जबकि दूसरे का उपयोग खाद्य ग्रेड भेषजों के उत्पादन में किया जाता है। अतः भारत में घरेलू उद्योग द्वारा खाद्य ग्रेड के उत्पादन के अभाव में निर्दिष्ट प्राधिकारी को फास्फोरिक एसिड के खाद्य ग्रेड को वर्तमान पाटनरोधी जांच के दायरे से अलग रखना चाहिए।
- (v) भारतीय सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 9 क(1) में साफ तौर पर यह निर्धारित है कि किसी वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क तभी लगाया जा सकता है जब किसी वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम पर किया जाता है। सेस्टेट ने आंध्र प्रदेशकेमिकल्स लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी से संबंधित मामले में यह निर्णय दिया

- है कि जिस वस्तु का भारत को निर्यात नहीं किया गया है, अतः उस वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा सकता। घरेलू उद्योग द्वारा यह स्वीकार किया गया है कि औद्योगिक ग्रेड के फास्फोरिक एसिड का आयात चीन जन.गण. से नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग की केवल इस आशंका की वजह से कि उसका निकट भविष्य में पाटन किया जा सकता है, औद्योगिक ग्रेड के लिए जांच शुरू करने का कोई वैध कारण नहीं बन सकता है।
- (vi) भिन्न-भिन्न ग्रेड के फास्फोरिक एसिड को अलग-अलग गुणधर्म, शुद्धता, उपयोग तथा कीमत संरचना है।

ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "फास्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड तथा खाद्य ग्रेड" (औद्योगिक ग्रेड सहित) है। फास्फोरिक एसिड का उपयोग सोडियम फास्फेट, कैल्शियम फास्फेट, मैग्नीशियम फास्फेट, अमोनियम फास्फेट के उत्पादन, भेषजीय अनुप्रयोगों, पेयों, बीज प्रसंस्करण, गन्ना रस तथा चीनी परिष्करण खाद्य फास्फेट के विनिर्माण आदि में किया जाता है। फास्फोरिक एसिड सीमा शुल्क उपशीर्ष 28092010 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

6. प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद तथा तमाम वस्तु के बारे में विरोधी हितबद्ध पार्टीयों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को नोट करते हैं। दोनों उत्पादकों के परिसरों में सत्यापन के दौरान विस्तृत जांच की गई थी जो विभिन्न प्रकार के फास्फोरिक एसिड के उत्पादन में शामिल उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादन हेतु अपेक्षित संयंत्र एवं मशीनरी, तथा कच्ची सामग्री पर केन्द्रित थी।

7. जहाँ तक खाद्य ग्रेड को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि तकनीकी ग्रेड के फास्फोरिक एसिड का उत्पादन सबसे पहले होता है। खाद्य ग्रेड के उत्पादन के लिए आगे परिष्करण अपेक्षित होता है। किसी अतिरिक्त कच्ची सामग्री की आवश्यकता नहीं होती है। परिष्करण की प्रक्रिया के लिए केवल अतिरिक्त उपयोगिता की जरूरत होती है। मै. सोलारिस कैमटेक द्वारा खाद्य ग्रेड का नियमित उत्पादन और ग्राहकों को आपूर्ति की जा रही है। साक्ष्य से यह पता चलता है कि भारत में खाद्य ग्रेड तथा तकनीकी ग्रेड दोनों का उत्पादन किया जाता है और संगत अवधि के दौरान इनका चीन से आयात किया गया था। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि खाद्य ग्रेड का उपयोग भी औद्योगिक कार्यकलाप में तकनीकी ग्रेड के स्थान पर नहीं किया जा सकता है।

8. एक हितबद्ध पार्टी (आयातक) ने यह बताया है कि औद्योगिक एक अलग ग्रेड है और जांच में शुद्धि पत्र जारी कर औद्योगिक ग्रेड शामिल किए जाने से विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को बढ़ा दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि शुद्धि पत्र घरेलू उद्योग को उन दस्तावेजों/अनुरोधों के आधार पर जारी किया गया था जिनमें यह उल्लेख था कि चीन की कंपनियों द्वारा फास्फोरिक एसिड से संबंधित "औद्योगिक ग्रेड" पद का उपयोग खाद्य एवं

तकनीकी ग्रेडों के लिए किया जाता है। यह नोट किया गया है कि हितबद्ध पार्टी ने यह प्रदर्शित करते हुए कोई समर्थनकारी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि औद्योगिक ग्रेड का कोई अन्य विशिष्ट ग्रेड है। चीन के उत्पादकों के दस्तावेजों की जांच के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि "औद्योगिक ग्रेड" पद का उपयोग औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए प्रयुक्त फास्फोरिक एसिड के अन्य ग्रेडों के लिए एक दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है। अतः शुद्धिपत्र जारी किए जाने से वर्तमान जांच के क्षेत्र को बढ़ाया नहीं गया है। प्राधिकारी का आगे यह मत है कि कृषि प्रयोजन के लिए प्रयुक्त फास्फोरिक एसिड (अथवा "उर्वरक ग्रेड") को वर्तमान जांच के द्वायरे में शामिल नहीं किया गया है।

9. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र तकनीकी ग्रेड तथा खाद्य ग्रेड का फास्फोरिक एसिड (औद्योगिक ग्रेड सहित) है।

10. घरेलू उद्योग तकनीकी तथा खाद्य ग्रेड दोनों प्रकार के फास्फोरिक एसिड का उत्पादन कर रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित विचाराधीन उत्पाद की तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थानीय है। दोनों उत्पाद विनिर्देशन, भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्मों, कार्य एवं उपयोग, कीमत तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण के संबंध में तुलनीय हैं, अतः घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के "समान वस्तु" माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आवेदन चार भारतीय उत्पादकों में से दो उत्पादकों अर्थात् मै. गुजरात अल्कोल एंड कैमिकल्स लि. तथा मै. सोलारिस कैमटेक लि. द्वारा दायर किया गया है। अन्य दो उत्पादक स्टार कैमिकल्स तथा एसटीएस कैमिकल्स हैं। दोनों आवेदकों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का 92% बनता है और इस प्रकार वे नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

घ. पाटन मार्जिन के निर्धारण की तिथि

घ. 1 घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुतीकरण

12. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण किया है :-

- (i) चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था है। विस्तृत आकलन प्रक्रिया के अनुपालन के पश्चात किसी देश ने चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया है। चीन को यूरोपीय संघ तथा संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा पिछले तीन वर्ष में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना गया है। यहां तक कि चीन ने भी अधिग्रहण संधि में सहमति दी थी कि डब्ल्यू टी ओ के सदस्य 11 दिसंबर, 2016 तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था पाटनरोधी विधि का प्रयोग कर सकते हैं। यूरोपीय संघ और सं.रा.अमरीका विश्व व्यापार संकरण के सदस्य हैं। भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी

ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 31 मई, 2002 के संशोधन के पश्चात चीन के विरुद्ध शुरू की गई सभी जांचों में व्यावहारिक रूप से चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना है। यहां तक कि 4 जनवरी, 2002 के संशोधन के पश्चात निर्दिष्ट प्राधिकारी को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना है। अन्य डब्ल्यू टी ओ सदस्य देशों द्वारा चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में व्यवहार किए जाने के संबंध में यूरोपीय आयोग ने चीन से फरफ्यूराइल एल्कोहल, पैराक्रिसाल, पालिइथाइलीन ट्रेपथेलेट, सिलिकॉन, ओकोयूम प्लाइवुड के मामले में चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना है। यू एस ए ने टेट्राहाइड्रोफरफ्यूराइल एल्कोहल, सेकरीन, फेरोबेनेडियम, कोल्ड-रोल्ड कार्बन स्टील फ्लेट उत्पाद आदि के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के मामले में चीन के साथ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में व्यवहार किया है।

- (ii) चीन में सामान्य मूल्य को बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों तथा लाभों को शामिल करते हुए विधिवत समायोजित कर भारत में उत्पादन की लागत पर विचार करते हुए निर्धारित किया जा सकता है।

घ.2 मै. चेमेटल-राइ इंडिया लि.द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण

13. यह बताया गया है कि चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य, भारत में उत्पादन के लागत के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि नियमों में ऐसा प्रावधान नहीं है। भारत में उत्पादन की लागत के अस्वीकृत किया जाना चाहिए।

घ.3 निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच

14. जांच शुरूआत के चरण में प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानक की पूर्वधारणा के पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ कार्रवाई प्रारंभ की। जांच शुरूआत में प्राधिकारी ने जांच शुरूआत की सूचना का जवाब देने और उनकी बाजार परिस्थिति के निर्धारण के संगत सूचना मुहैया कराने की सलाह चीनी उत्पादकों को दी।

15. प्राधिकारी ने नियमावली की धारा 9 क (1) (ग) तथा अनुबंध-1 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां प्रेषित कीं। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग करने के लिए चीन के उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह देने के लिए चीन की सरकार से अनुरोध किया। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया है। इसलिए, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्वधारणा को किसी भी निर्यातक/उत्पादक द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) के तहत यथाअपेक्षित दस्तावेज मुहैया कराके खंड नहीं किया गया है।

घ.4 सामान्य मूल्यः

16. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के मूल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में सामान्य मूल्य को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित किया जाएगा । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में प्रावधान है कि:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों की स्थिति में, सामान्य मूल्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या संरचित मूल्य अथवा तीसरे देश से अन्य देशों जिनमें भारत शामिल है को कीमत के आधार पर निर्धारित किया जाएगा अथवा जहां ऐसा संभव नहीं है अथवा किन्हीं अन्य तर्कसंगत आधार पर जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से प्रदत्त या देय कीमत यदि आवश्यक हो तो विधिवत रूप से समायोजित, शामिल है ताकि तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल किया जा सके ।”

17. आवेदकों ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत से संबंधित सूचना यह कहते हुए कि संगत सूचना उनके पास उपलब्ध नहीं है मुहैया नहीं कराई है । चीनी उत्पादकों में से किसी ने भी इस संबंध में कोई अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है । घरेलू उद्योग के दावों पर विवाद करते हुए अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में कोई सूचना मुहैया नहीं कराई है ।

18. डी जी सी आई एंड एस से सौदा-वार आयात आंकड़े कोरिया आर ओ के तथा इजराइल के कुल आयातों का क्रमशः 6.28% तथा 3.10% हिस्सा बनाते हैं । ये दोनों देश संबद्ध देश से आयातों के पटसन आयातों का उच्चतम हिस्सा बनाते हैं । कोरिया आर ओ के से आयात मुख्यतः तकनीकी ग्रेड के थे । तथापि, खाद्य ग्रेड का अल्प प्रतिशत भाग भी आयात किया गया । इजराइल के संबंध में, आयात केवल तकनीकी ग्रेड के हुए हैं । इन दो देशों से निर्यात कीमत की तुलना में व्यापक अंतर को प्रदर्शित करती है । कोरिया आर ओ के से निर्यात कीमत इजराइल से कीमतों की तुलना में लगभग 20% कम है । सामान्य मूल्य के रूप में उचित कीमत का चयन करने के लिए प्राधिकारी ने कोरिया आर ओ के से निर्यात कीमत की तुलना इस देश के लिए परिकलित मूल्य के साथ की । सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए कच्ची सामग्री की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर ली गई थीं और विद्युत कीमतें वे ली गई थीं जो निर्यातक देश के लिए उपलब्ध थीं । कुशल घरेलू उत्पादक के खपत संबंधी मानक और अन्य घटकों के लिए परिवर्तन लागत ली गई थी । तुलना से यह पता चलता है कि कोरिया आर ओ के से आयात पर परिकलित सामान्य मूल्य से काफी कम कीमत पर हुए थे । इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने कोरिया आर ओ के से आयातों के संबंध में जांच हेतु एक आवेदन भी दायर किया है ।

19. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए इजरायल से निर्यात की कीमत अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य के रूप में ली गई है । कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य निकालने के लिए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार व्यय को निर्यात कीमत में से समायोजित किया गया है । इस रीके से तकनीकी ग्रेड के लिए सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.टन संगठित किया गया । खाद्य ग्रेड के लिए सामान्य मूल्य की संगणना घरेलू उद्योग द्वारा तकनीकी ग्रेड को खाद्य

ग्रेड में परिवर्तन करने के लिए व्यय की गई लागत को जोड़कर की गई है। खाद्य ग्रेड के लिए सामान्य मूल्य की संगणना *** अम.डॉ. प्रति मी.टन के रूप में की गई है।

घ. 5 मै. युनान कैमफॉस कारपोरेश से निर्यात की कीमत

20. चीन जन.गण. के निर्यातिक मै. युनान कैमफॉस कारपोरेश ने निर्यातिक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और जांच अधिकारी के दौरान भारत को किए गए निर्यातों के ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। सूचना के अनुसार जांच अधिकारी के दौरान निर्यात की केवल 7 खेपें की गई थी। प्राधिकारी ने निर्यातों और व्यय से संबंधित सूचना अनन्तिम रूप से स्वीकार की है जो भारत के लिए निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सत्यापन के अधीन है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा और निर्यातिक द्वारा उपलब्ध कराए गए अन्य व्यय के लिए निर्यात कीमत का समायोजन किया गया है। इस तरीके से कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की तुलना में *** अम.डॉ. प्रति मी.टन के रूप में की गई है।

घ. 6 असहयोगी निर्यातिक के लिए निर्यात कीमत

21. प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयातों के सौदे-वार ब्यौरों के अनुसार किया है। निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु कृषि/उर्वरक से संबंधित आयातों पर विचार नहीं किया गया है। आंकड़ों से यह भी देखा गया था कि फॉस्फोरिक ऐसिड (खाद्य एवं तकनीकी ग्रेड) के आयात केवल डिब्बा बंद रूप में हुए थे। दोनों ग्रेडों के लिए इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, तथा अन्य व्यय हेतु समायोजित किया गया है। इस तरीके से कारखाना द्वार पर निर्यात की कीमत तकनीकी ग्रेड के लिए *** अम.डॉ. प्रति मी.टन और खाद्य ग्रेड के लिए *** अम.डॉ. प्रति मी.टन निर्धारित की गई है।

घ. 7 पाटन मार्जिन

22. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन निम्नानुसार निर्धारित किया गया है :

निर्यातिक/उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
चीन जन.गण. से असहयोगी उत्पादक एवं निर्यातिक	***	***	***	12.98%

खाद्य ग्रेड

अम.डॉ./मी.टन

निर्यातिक/उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
मै. युनान कैमफॉस	***	***	***	43.21%
चीन जन.गण. से असहयोगी उत्पादक एवं निर्यातिक	***	***	***	55.66%

भारित औसत

अम.डॉ./मी.टन

निर्यातक/उत्पादक	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
मै. युनान कैमफोस	***	43.21%
चीन जन.गण. से असहयोगी उत्पादक एवं निर्यातक	***	55.37%

उपर्युक्त निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

उक्ति के निर्धारण और कारणात्मक संबंध की जांच की विधि**उक्ति 1 घरेलू उद्योग के विचार**

23. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- (i) पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में वृद्धि हुई है । आयातों में समग्र रूप में और उत्पादन तथा खपत की तुलना में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है । तकनीकी ग्रेड के आयातों पर पहले पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था । तकनीकी ग्रेड के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से खाद्य ग्रेड के आयातों में धीरे-धीरे वृद्धि हुई थी ।
- (ii) उत्पाद को अनेक देशों से यानांतरित किया जा रहा है । याचिकाकर्ताओं ने मांग के निर्धारण में इन सभी यानांतरित आयातों को शामिल किया है ।
- (iii) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही है । इसके अलावा, बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर आयातों का पर्याप्त हासकारी प्रभाव पड़ा है ।
- (iv) घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री में वृद्धि हुई है । तकनीकी ग्रेड पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से आगे और गिरावट नहीं आई तथा उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में सुधार हुआ । तथापि बिक्री में वृद्धि उत्पादन में वृद्धि से कम बनी रही ।
- (v) याचिकाकर्ताओं का अनुरोध है कि पाटित सामग्री की सतत उपलब्धता के कारण याचिकाकर्ता अपने निष्पादन में इष्टतम स्तर तक सुधार करने में असमर्थ हैं । यद्यपि यह स्वीकार किया जाता है कि घरेलू उद्योग के वित्तीय घाटे (पी बी टी) में कमी आई है तथापि यह देखा जाएगा कि घरेलू उद्योग वित्तीय घाटे (पी बी टी) में चल रहा है- जो एक ऐसी स्थिति है जिसमें कोई उद्योग दीर्घकाल तक टिक नहीं सकता । इसके अलावा, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घाटे में पुनः वृद्धि हो गई ।

- (vi) सतत वित्तीय घाटा बाजार में एक या दूसरे रूप में पाठित आयातों की मौजूदगी के कारण ही हो रहा है, ऐसे पाटन से घरेलू उद्योग को हुई क्षति स्पष्ट दिखाई देती है।
- (vii) अन्य देशों के बाजार हिस्से में भी गिरावट आई है और यह चीन के खाते में चला गया है।
- (viii) घरेलू उद्योग का रोजगार स्तर कमोबेश स्थिर रहा है।
- (ix) उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ घरेलू उद्योग की उत्पादकता बढ़ी है।
- (x) आर ओ आई (पी बी आई टी) जो पूर्व में नकारात्मक थी, वर्ष 2004-05 में सकारात्मक हो गई। तथापि, जांच अवधि में आर ओ आई तथा नकदी प्रवाह पुनः नकारात्मक हो गया।
- (xi) माल सूचियों में 2004-05 तक कभी आई किन्तु जांच अवधि में वृद्धि हो गई।
- (xii) वर्ष 2004-05 तक अधिकांश मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक थी। तथापि 2005-06 में यह वृद्धि पुनः नकारात्मक हो गई।
- (xiii) संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है अपितु काफी ज्यादा भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का भारी प्रभाव पड़ा है।
- (xiv) संबद्ध उत्पाद की मांग में कोई कभी नहीं आई है। मांग में संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है।
- (xv) घरेलू उद्योग को क्षति पाठित आयातों के कारण हुई है।
- (xvi) विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। यह भली भांति माना जा सकता है कि तकनीकी ग्रेड के उपभोक्ताओं ने खाद्य ग्रेड की भी खपत शरू कर दी है। तथापि ऐसा तकनीकी जरूरत के कारण नहीं हुआ है। ऐसा चीन से पाठित आयातों की उपलब्धता के कारण हुआ है। अतः खपत की पद्धति में हुए परिवर्तन से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है। तकनीकी एवं खाद्य ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के दो रूप होने के कारण इनकी परस्पर प्रतिस्थापनीयता हर हालत में असंगत है।
- (xvii) व्यापार की ऐसी कोई प्रतिबंधात्मक पद्धति नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती हो।
- (xviii) उत्पाद की उत्पादन प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः प्रौद्योगिकी विकास क्षति का कारण नहीं है।
- (xix) घरेलू उद्योग की दावा की गई क्षति घरेलू प्रचालनों के 'कारण हुई है। घरेलू उद्योग का प्रसार घरेलू बाजार में है न कि निर्यात में।
- (xx) घरेलू उद्योग की क्षति पर अन्य उत्पादों के निष्पादन का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
- (xxi) घरेलू उद्योग तथा विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत कीमतों के बीच पर्याप्त अंतर है। घरेलू उद्योग द्वारा ईष्टतम से कम कीमतों का प्रस्ताव किए जाने पर भी आयातों में वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री नहीं हो रही है। इस प्रकार बिक्री मात्रा में गिरावट संबद्ध देश से पाठित आयातों के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आई है।

- (xxii) सतत पाटित आयातों से हुई कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग पर कीमत का लगातार दबाव बन रहा है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद निरंतर वित्तीय घाटा हो रहा है।
- (xxiii) सतत वित्तीय घाटे के परिणामस्वरूप नकदी प्रवाह एवं आर औ आई के संबंध में निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इस प्रकार, पाटित आयातों का लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकदी प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ड 2 अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

24.

- (i) घरेलू उद्योग ने आवेदन प्रपत्र के सभी खंड पूरे नहीं किए हैं जो कि वैध एवं पूर्ण प्रलेखित आवेदन के लिए अनिवार्य हैं।
- (ii) नियम 5 के अनुसार, आधार का निर्धारण करने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य की यथातथ्यता और पर्याप्तता की जांच करनी होती है और स्वयं को इस बात से संतुष्ट करना होता है कि जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में पर्याप्त साक्ष्य हैं। इस अपेक्षा को पूरा करने के बाद ही निर्दिष्ट प्राधिकारी आगे की कार्यवाही कर सकते हैं।
- (iii) याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग को प्रथम दृष्टया या कोई क्षति नहीं दर्शायी है। सभी आर्थिक मापदंडों से वृद्धि का संकेत मिलता है। अतः जांच की शुरुआत घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किए बिना की गई है।
- (iv) घरेलू उद्योग ने आरोप लगाया है कि इस सामग्री का आयात अनेक अन्य देशों से भी किया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं को यह जानकारी है कि संबंधित उत्पाद का कोई भी उत्पादक नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने अपने दावे के समर्थन में न तो कोई आधार और न ही कोई सूचना/साक्ष्य उपलब्ध कराया है।
- (v) याचिकाकर्ता यानान्तरण के बारे में कोई साक्ष्य दर्ज करने में समर्थ नहीं रहे हैं। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि इस संबंध में घरेलू उद्योग के दावे पर कोई ध्यान न दिया जाए।
- (vi) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना में यह नहीं बताया गया है कि मांग का निर्धारण तकनीकी ग्रेड के लिए किया गया है या खाद्य ग्रेड के लिए।

- (vii) आयात पाटन की वजह से नहीं हुए हैं बल्कि घरेलू आपूर्तिकर्ता द्वारा आपूर्ति स्थगित किए जाने और त्रुटिपूर्ण आपूर्ति किए जाने के कारण हुए हैं। खाद्य ग्रेड के आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन में कमी के कारण हुए हैं।
- (viii) घरेलू उद्योग द्वारा कीमत कटौती का कोई विश्लेषण उपलब्ध नहीं कराया गया है और इसलिए किसी क्षति का दावा नहीं किया जा सकता।
- (ix) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में किसी क्षति का दावा नहीं किया गया है।
- (x) आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है।
- (xi) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट का दावा किया गया है जो संभव नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है।
- (xii) रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता के लिए किसी क्षति का दावा नहीं किया गया है।
- (xiii) घरेलू उद्योग के निष्पादन तथा आयातों के बीच कोई संबंध नहीं है।
- (xiv) माल सूचियों में मामूली वृद्धि घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं बन सकती।
- (xv) समस्त मापदंडों के अनुसार घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही है।
- (xvi) घरेलू उद्योग आरोपित पाटन और घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध स्थापित करने में विफल रहा है।

उ 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

25. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में क्षति निर्धारण के सिद्धांतों में यह उल्लेख है कि

“क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी”

26. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता निवेशों पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों एवं संकेतकों; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रभाव, मालसूचियों, रोजगार मजदूरी में वृद्धि, पूँजी निवेश बढ़ाने की क्षमता पर वास्तविक तथा संभावित प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

पाटित आयातों की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

27. संबद्ध देशों तथा अन्य देशों से आयात निम्नानुसार रहे हैं :-

आयात, मी.टन में	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
चीन जन.गण.	180	41	3,148	4,600
प्रवृत्ति	100.00	22.74	1,744.99	2,549.69
अन्य देश	774	530	2,974	553
कुल आयात	954	571	6,122	5,153
आयातों में बाजार हिस्स %				
चीन जन.गण.	18.90	7.19	51.42	89.27
अन्य देश	81.10	92.81	48.58	10.73

28. आयातों के विश्लेषण हेतु डी सी आई एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयातों के सौदेवार आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। फास्फोरिक एसिड के आयात डिब्बाबंद एवं खुले रूप में किए जा सकते हैं। आंकड़ों से यह पता चलता है कि फॉस्फोरिक एसिड (खाद्य एवं तकनीकी ग्रेड) के आयात परेषण 36 कि.ग्रा. से 70 मी.टन के बीच रहे हैं। घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि खुले रूप में फास्फोरिक एसिड का आयात केवल पोत लदानों में ही वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य है जिसमें सामग्री की मात्रा 2000 मी.टन (केवल कुछ ही सौदे 500 मी.टन से 2000 मी.टन के बीच होते हैं) से अधिक होती है। आयातों के आंकड़ों में किसी अन्य संकेतक के अभाव में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के इस तर्क को स्वीकार किया है कि जांच अवधि के दौरान खाद्य एवं तकनीकी ग्रेड के फॉस्फोरिक एसिड के आयात डिब्बाबंद रूप में हुए थे। आंकड़ों से पता चलता है कि चीन.जन.गण से आयात 2002-03 में 180 मी.टन से पर्याप्त बढ़कर जांच अवधि के दौरान 4600 मी.टन हो गए। इसी अवधि के दौरान अन्य देशों से आयातों में गिरावट आई है। इसके अलावा, चीन जन.गण. का भारत में हुए कुल आयातों में पर्याप्त बाजार हिस्सा है। यह भी देखा गया है कि 2004-05 तथा जांच अवधि के बीच जहां चीन से हुए आयातों में 46% की पर्याप्त वृद्धि हुई है वहीं अन्य देशों से हुए आयातों में 19% की गिरावट आई है।

मांग में बाजार हिस्सा:

29. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री, भारत में संबद्ध वस्तु के कुल आयातों पर विचार करते हुए संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग का निर्धारण किया। इस प्रकार से निर्धारित संबद्ध वस्तु की मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

मांग	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
कुल नियाति मी.टन में	954	571	6,122	5,153
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.टन में	33,834	40,335	38,462	42,074
बिक्री-अन्य उत्पादक मी.टन में	3,500	4,000	4,286	4,759
कुल मांग मी.टन में	38,289	44,906	48,870	51,986
प्रवृत्ति	100.00	117.28	127.64	135.77
मांग में बाजार हिस्सा %				
घरेलू उद्योग	88.37	89.82	78.70	80.93
अन्य भारतीय उत्पादक	9.14	8.91	8.77	9.15
चीन	0.47	0.09	6.44	8.85
अन्य	2.02	1.18	6.09	1.06

30. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में 36% की वृद्धि हुई है। मांग में चीन जन.गण.से हुए पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 2002-03 में 0.47% से बढ़कर जांच अवधि में 08.85% हो गया जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा उसी अवधि के दौरान 88.37% से घटकर 80.92% हो गया है।

31. प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में चीन से हुए पाटित आयातों में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है :

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
चीन जन.गण. से आयात मी.टन में	180	41	3,148	4,600
घरेलू उद्योग का उत्पादन मी.टन में	38,705	39,402	39,288	45,857
घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में चीन से आयात(%)	0.47	0.10	8.01	10.03

32. उपर्युक्त से यह स्पष्ट हो जाता है कि घरेलू उद्योग के आयातों की तुलना में चीन से हुए पाठित आयात 0.47% से बढ़कर 10.03% हो गए हैं।

क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

33. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :-

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
क्षमता मी.टन	50306	50306	50306	50306
सूचीबद्ध	100.00	100.00	100.00	100.00
उत्पादन मी.टन	38,705	39,402	39,288	45,857
सूचीबद्ध	100.00	101.80	101.51	118.48
क्षमता उपयोग %	76.94	78.32	78.10	91.16
सूचीबद्ध	100.00	101.80	101.51	118.48
कुल मांग मी.टन	38,289	44,925	48,865	51,995
सूचीबद्ध	100.00	117.33	127.62	135.80
मांग की तुलना में उत्पादन	101.09	87.71	80.40	88.19

34. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान सबद्ध वस्तु की मांग में 36% की वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था। इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में 18% की वृद्धि हुई थी।

बिक्री

35. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
बिक्री मी.टन में	33,834	40,335	38,462	42,074
सूचीबद्ध	100.00	119.21	113.68	124.35
वर्ष दर वर्ष प्रवृत्ति		19.21	(4.64)	9.39
मांग मी.टन में	38,289	44,925	48,865	51,995
सूचीबद्ध	100.00	117.33	127.62	135.80
मांग में बाजार हिस्सा %	88.37	89.78	78.71	80.92
सूचीबद्ध	100.00	101.60	89.07	91.57

36. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में 24% की वृद्धि हुई है। इसकी तुलना में इसी अवधि में संबद्ध वस्तु की मांग में 36% की वृद्धि हुई है। मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा 2002-03 में 88.37% से घटकर जांच अवधि में 80.92% हो गया।

कीमत प्रभाव (औसत):

37. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, लाभ और नकदी प्रभाव का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
बिक्री लागत (रु. प्रति मी.टन)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100.00	90.87	101.06	91.28
बिक्री मूल्य (रु. प्रति मी.टन)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100.00	99.85	130.74	129.57
लाभ/हानि (रु. प्रति मी.टन)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	(100.00)	(71.06)	(35.58)	(6.84)
प्रीवीआईटी लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	(100.00)	(72.07)	(24.16)	6.19
नकद लाभ लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	(100.00)	(80.12)	(24.04)	18.64

लाभप्रदता (खुले रूप में)

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
बिक्री लागत रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100.00	89.59	94.49	87.72
बिक्री कीमत रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100.00	99.93	125.89	129.62
लाभ/हानि रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	(100.00)	(70.65)	(36.93)	(10.95)

लाभप्रदता (डिरेक्ट रूप में)

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
बिक्री लागत रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100.00	92.16	99.50	94.65
बिक्री कीमत रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100.00	97.69	133.08	125.74
लाभ/हानि रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	(100.00)	(76.05)	(1.76)	(4.17)

38. आंकड़ों से पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में बिक्री की औसत लागत 2002-03 में घटकर 91% हो गई जो जांच अवधि के दौरान घटकर 91.28% होने से पूर्व बढ़कर 101% हो गई है। इसी अवधि के दौरान वर्ष 2004-05 में औसत बिक्री कीमत में 31% की वृद्धि हुई। तथापि, जांच अवधि के दौरान इसमें मामूली गिरावट आई। खुले रूप में प्रति इकाई में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक लगातार गिरावट आई। आधार वर्ष में सूचीकृत स्वरूप 100 से घटकर जांच अवधि में 7 हो गया। खुले रूप में उत्पाद की बिक्री लागत आधार वर्ष में 100 से घटकर 2002-03 में 90% हो गई जो जांच अवधि में घटकर 88% होने से पूर्व 2004-05 में बढ़कर 94% हो गई। इसी अवधि के दौरान खुले रूप में औसत बिक्री कीमत 2004-05 में 26% से बढ़कर जांच अवधि में 30% हो गई। डिब्बा बंद रूप में उत्पाद की औसत बिक्री लागत आधार वर्ष के 100 से घटकर 2003-04 में 92% हो गई जो जांच अवधि में घटकर 95% होने से पूर्व 2004-05 में बढ़कर 99% हो गई। डिब्बा बंद रूप में औसत बिक्री कीमत आधार वर्ष के 100 से घटकर 2003-04 में 98% हो गई और जांच अवधि में घटकर 26% होने से पूर्व 2004-05 में बढ़कर 33% हो गई। खुले रूप में लाभप्रदता में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में सुधार देखा गया है। प्रति इकाई घाटा आधार वर्ष से जांच अवधि तक कम हुआ है। डिब्बा बंद रूप में लाभप्रदता में आधार वर्ष से लेकर 2004-05 तक सुधार हुआ है अर्थात् प्रति इकाई घाटा आधार वर्ष से लेकर 2004-05 तक कम हुआ तथापि, जांच अवधि में यह पुनः बढ़ गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान आयात केवल डिब्बा बंद रूप में किए गए थे।

39. लाभ (पीबीआईटी) में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक लगातार सुधार देखा गया है। सूचीकृत स्वरूप में घाटा आधार वर्ष में 100 से सुधरकर जांच अवधि में 6.19 के लाभ में तब्दील हो गया।

नकदी प्रवाह

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के दोनों संघटक बहु उत्पाद, बहुस्थानी कंपनियां हैं। कोई भी कंपनी विचाराधीन उत्पाद के नकदी प्रवाह के बारे में अलग से सूचना नहीं रखती है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के नकद लाभ की स्थिति का निर्धारण किया जिससे यह पता चलता है कि नकद लाभ में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक लगातार सुधार हुआ है। सूचीकृत स्वरूप में यह आधार वर्ष में 100 के स्थान पर जांच अवधि में 18.64 हो गया।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

41. घरेलू उद्योग पर चीन से पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने कीमत कटौती निर्धारित करने हेतु संबद्ध वस्तु की घरेलू कीमत की तुलना (प्रत्येक ग्रेड के लिए अलग-अलग) आयातित उत्पाद के पहुंच मूल्य के साथ की। सभी प्रकार के आवश्यक समायोजन करने के पश्चात निवल बिक्री प्राप्ति निकाली गई। संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य की तुलना में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई और यह देखा गया कि संगत

अवधि में चीन से पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही है। जांच अवधि के दौरान, खाद्य ग्रेड में कीमत कटौती 20 से 30% तक और तकनीकी ग्रेड में नकारात्मक रही थी।

कम कीमत पर बिक्री

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है। कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकालने के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण कर उसकी तुलना में संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के साथ की गई। जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित विचार करते हुए घरेलू उत्पादकों के लिए क्षति रहित कीमत का आकलन किया गया। विश्लेषण से यह पता चलता है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से काफी कम है। जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री का मार्जिन चीन के तकनीकी ग्रेड के लिए 10-20% तथा खाद्य ग्रेड के लिए 35-55% रहा था।

कम कीमत पर बिक्री-जांच अवधि	तकनीकी ग्रेड	खाद्य ग्रेड
निर्यात कीमत रु.प्रति मी.टन	27139	22224
पहुंच कीमत कीमत रु.प्रति मी.टन	31522	25813
बिक्री कीमत रु.प्रति मी.टन	***	***
कम कीमत पर बिक्री रु.प्रति मी.टन	***	***
कम कीमत पर कटौती %	***	***
क्षति रहित कीमत (डिब्बा बंद)	***	***
कम कीमत पर बिक्री रु.प्रति मी.टन	***	***
कम कीमत पर कटौती %	***	***

लगाई गई पूंजी पर आय

43. लगाई गई पूंजी पर आय के बारे में सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है:-

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
निवल नियत परिसंपत्तियां लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100.00	92.91	88.78	88.61
कार्यशील पूंजी लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100.00	211.90	188.97	239.22
लगाई गई पूंजी लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100.00	112.33	105.13	113.19
घरेलू बिक्री के लिए लगाई गई पूंजी लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100.00	127.25	117.72	126.52
पीबीआईटी लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	(100.00)	(72.07)	(24.16)	6.19
लगाई गई पूंजी पर आय एनएफए %	***	***	***	***
सूचीबद्ध	(100.00)	(56.63)	(20.52)	4.89

44. घरेलू उद्योग के लिए लगाई गई पूँजी पर आय में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक लगातार सुधार प्रदर्शित हुआ है। एनएफए आधार पर यह आधार वर्ष में 100 के स्थान पर जांच अवधि में 4.89 में तब्दील हो गया।

रोजगार एवं मजदूरी

45. घरेलू उद्योग के रोजगार एवं मजदूरी के स्तर निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:-

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
रोजगार संख्या	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100.00	99.66	98.28	102.41
मजदूरी लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100.00	96.15	77.24	90.59

46. यह नोट किया जाता है कि रोजगार और मजदूरी में कोई खास अंतर नहीं आया है।

47. प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में प्रदर्शित घरेलू उद्योग की लाभप्रदता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
वृद्धि	सूचीबद्ध	100	102.15	103.28	115.68

48. घरेलू उद्योग की उत्पादकता अर्थात् प्रति कर्मचारी उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 16% का सुधार हुआ है।

वृद्धि

49. यह देखा गया है कि आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि सभी मापदंडों में सकारात्मक रही है।

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
माल सूची मी.टन में	***	***	***	***
सूचीकृत	100.00	69.15	38.15	181.84
बिक्री मी.टन में	***	***	***	***
बिक्री के दिनों के लिए माल सूची (दिन)	***	***	***	***
सूचीकृत	100.00	58.00	33.56	146.23

50. बिक्री के दिनों के संबंध में औसत माल सूची में आधार वर्ष से लेकर 2004-05 तक गिरावट आई तथापि, इसमें जांच अवधि में वृद्धि हो गई। आधार वर्ष में यह 9 दिन के समतुल्य थी जबकि जांच अवधि में बढ़कर 14 दिन हो गई।

पूँजी/निवेश जुटाने की क्षमता

51. निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों याचिकाकर्ता बहु उत्पाद कंपनियां हैं और निवेश जुटाने की क्षमता घरेलू उद्योग पर प्रभाव का संकेतक नहीं हो सकती।

छ 4 निष्कर्ष :

52. वर्ष 2004-05 और जांच अवधि में चीन से हुए आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई। जांच अवधि के दौरान यह आधार वर्ष में 180 मी.टन की तुलना में 4600 मी.टन हो गया। संबद्ध देश कुल आयातों में बाजार हिस्सा आधार वर्ष के 18.90% की तुलना में जांच अवधि में बढ़कर 89.27% हो गया। संबद्ध वस्तु की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 36% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और क्षमता उपयोग में 18% की वृद्धि कर सका। तथापि घरेलू उद्योग की मांग में हिस्सा आधार वर्ष में 88.37% से घटकर जांच अवधि में 80.93 हो गया। वर्ष 2004-05 में घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग जांच अवधि के तुलना में कम रहा था क्योंकि एक उत्पादक ने 107 दिन तक अपनी उत्पादन क्षमता बंद रखी थी। बिक्री के दिनों के संबंध में औसत माल सूची आधार वर्ष में 9 दिन से बढ़कर जांच अवधि में 14 दिन हो गई लेकिन यह 2004-05 में 4 दिन के समतुल्य थी। जांच अवधि में अंतिम स्टॉक पूर्ववर्ती वर्ष अर्था 2004-05 में 5 दिन की तुलना में तेजी से बढ़कर 23 दिन का हो गया।

53. आधार वर्ष की तुलना में औसत बिक्री लागत 2003-04 में घटकर 91% और जांच अवधि में 91.28 होने से पूर्व बढ़कर 101% हो गई। इसी अवधि के दौरान औसत बिक्री कीमत में 2004-05 में 31% की वृद्धि हुई। तथापि जांच अवधि में इसमें मामूली गिरावट आई। आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक प्रति इकाई घाटे लगातार कभी आई। सूचीकृत रूप में यह आधार वर्ष में 100 से घटकर जांच अवधि में 7 हो गई। आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि डिब्बाबंद रूप में फास्फोरिक एसिड की बिक्री कीमत पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा और जांच अवधि में कम हो गई। लाभ प्रदत्ता में आधार वर्ष से लेकर 2004-05 तक सुधार हुआ, जबकि जांच अवधि में गिरावट आ गई। खुले रूप में बिक्री कीमत में वृद्धि हुई और लाभप्रदता में सुधार हुआ तथापि घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान खुले एवं डिब्बाबंद रूप में बिक्री लागत (औसत) में गिरावट आई, बिक्री कीमत में भी गिरावट आई तथापि घरेलू उद्योग लाभप्रदता में सुधार के बावजूद जांच अवधि के दौरान भी प्रति इकाई घाटा उठा रहा था। आधार वर्ष में लगाई गई पूँजी पर आय नकारात्मक रही थी और उसमें सुधार हुआ तथा जांच अवधि के दौरान वह मामूली रूप से सकारात्मक बन गई।

54. घरेलू उद्योग के निष्पादन बिक्री तथा क्षमता उपयोग के संबंध में सुधार प्रदर्शित हुआ। तथापि, घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि का लाभ नहीं उठा सका क्योंकि जांच अवधि के दौरान भी क्षमता अप्रयुक्त बनी रही। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अंतिम स्टॉक में पर्याप्त वृद्धि के रूप में आयातों का प्रभाव दृष्टिगोचर रहा। घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में सुधार हुआ क्योंकि प्रति इकाई औसत घाटे में अत्यधिक कमी हो गई थी। तथापि, खासकर डिब्बाबंद फास्फोरिक एसिड के मामले में पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2004-05 की तुलना में जांच अवधि के दौरान निष्पादन में गिरावट शुरू हो गई।

55. उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

च. कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

56. फास्फोरिक एसिड (तकनीकी ग्रेड) पर पाटनरोधी उपाय लागू थे। (ये 9.5.2006 को समाप्त हो गए)। वर्ष 2002-03 तथा 2003-04 के दौरान आयातों में भारी गिरावट आई। वर्ष 2004-05 में घरेलू उद्योग के एक उत्पादक के उत्पादन में संयंत्र में आग लगने के कारण 107 दिन का नुकसान हुआ। इस वर्ष के दौरान अत्यधिक उच्च कीमतों पर आयातों में उच्च वृद्धि हुई। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में निर्यात में 175% की वृद्धि हुई और पहुंच मूल्य घरेलू निवल बिक्री कीमत से काफी अधिक रहा जिससे यह पता चलता है कि भारत में जब मांग और पूर्ति में अंतर था और घरेलू उद्योग वस्तु की पूर्ति करने में असमर्थ था तब निर्यातकों ने देश में वस्तु की कमी का लाभ उठाने के लिए कीमतों में पर्याप्त वृद्धि कर दी। वर्ष 2005-06 में घरेलू उत्पादक उत्पादन में पुनः शुरू करने की स्थिति में आ गया लेकिन तकनीकी ग्रेड के लिए निर्यात कीमत घटकर पूर्ववर्ती वर्ष की 87% हो गई। खास बात तकनीकी ग्रेड से सामान्यतः अधिक रहनी चाहिए उसे तकनीकी ग्रेड की कीमत से कम कीमत पर बेचा गया। तकनीकी ग्रेड की पूर्ववर्ती वर्ष की कीमत की तुलना में जांच अवधि के दौरान खाद्य ग्रेड की निर्यात कीमत 71% रही थी। जांच अवधि के दौरान तकनीकी ग्रेड की नकारात्मक कीमत कटौती हुई तथापि खाद्य ग्रेड में भारी कीमत कटौती हुई। वर्ष 2004-05 में जब पहुंच मूल्य द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती नहीं हो रही थी, तब घरेलू उद्योग ने पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बिक्री कीमत में 31% की वृद्धि की। जांच अवधि के दौरान आयातों की वजह से कीमत कटौती के मद्देनजर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घटकर आधार वर्ष की 99% हो गई। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई तथापि लाभप्रदता में सुधार के बावजूद 2005-06 में घरेलू उद्योग को प्रति इकाई घाटा हो रहा था। तथापि, घरेलू उद्योग के लिए पाटित आयातों के दबाव के सिवाय बिक्री कीमत कम करने का कोई कारण नहीं था। भारत में पाटित आयातों का प्रभाव डिब्बाबंद रूप पर पड़ा क्योंकि आयात डिब्बाबंद रूप में हुए थे। जांच अवधि के दौरान डिब्बाबंद उत्पाद की बिक्री कीमत में 2004-05 की तुलना में 94.4% की गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान यद्यपि बिक्री लागत में 95.1% की गिरावट आई तथापि कमतर प्रति इकाई लागत 139% हो गई, पाटित आयातों का खुले रूप में उत्पाद पद तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ा इसलिए लाभप्रदता में सुधार हो गया।

57. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में 36% की वृद्धि हुई। समूची क्षति अवधि के दौरान उद्योग की क्षमता ज्यों की त्यों रही। घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में इसी अवधि के दौरान मांग में 36% की वृद्धि की तुलना में केवल 19% तक की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग की बिक्री में 24% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में सुधार प्रदर्शित हुआ है, तथापि मांग में समुचित वृद्धि के मद्देनजर घरेलू उद्योग की क्षमता अप्रयुक्त बनी रही। घरेलू उद्योग की औसत मालसूची में आधार वर्ष की तुलना में 81 की वृद्धि हुई। बिक्री दिवसों के रूप में यह आधार वर्ष में 9 दिवसों से बढ़कर 14 दिवस हो गई। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का इति स्टॉक 2004-05 में बिक्री दिवसों के 5 दिवसों की तुलना में बढ़कर 23 दिवस हो गया। आधार वर्ष की तुलना में इति स्टॉक 11 दिवसों से बढ़कर 23 दिवस हो गया था।

58. यद्यपि घरेलू उद्योग तकनीकी ग्रेडों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के साथ उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग में सुधार करने की स्थिति में थी तथापि, जांच अवधि के दौरान आयातों पर दबाव से घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रभाव पड़ा जिसे माल सूची में तीव्र वृद्धि और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट से दर्शाया गया है जो इस तथ्य के बावजूद थी कि घरेलू उद्योग को अब भी प्रति इकाई घाटा हो रहा था जो आयात तथा घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को स्थापित करता है।

पाठित कीमतों पर बेचे गए आयातों की मात्रा तथा कीमतें

59. यह नोट किया जाता है कि 90% आयात चीन से होता है। चीन के अलावा इजराइल और दक्षिण कोरिया से भी आयात की सूचना मिली है। कोरिया आर ओ के से आयात भी ऐसी कीमतों पर हुए हैं जिसका घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों पर प्रभाव पड़ सकता है तथापि, इस संबंध में घरेलू उद्योग ने जांच की शुरूआत का अनुरोध करते हुए पहले ही आवेदन दे दिया है। इजराइल से आयात चीन की कीमतों से काफी उच्चतर कीमतों पर किए गए हैं।

अन्य घरेलू उत्पादकों का निष्पादन:

60. याचिकाकर्ता से इतर, संबद्ध वस्तु के दो अन्य घरेलू उत्पादक हैं। ये हैं : मै. केमिकल्स तथा एस टी एस केमिकल्स/प्राधिकारी ने इन उत्पादकों से क्षति तथा लागत संबंधी सूचना प्रदान करने का अनुरोध करते हुए पत्र भेजे हैं। मै. स्टार केमिकल्स ने कुछ जानकारी मुहैया कराई है; तथापि, इसके पश्चात कंपनी ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया था।

व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं तथा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

61. प्राधिकारी को घरेलू उद्योग अथवा अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा अपनाई जा रही कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा देखने को नहीं मिली ।

मांग में संकुचन अथवा खपत के ढंग में परिवर्तन

62. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन अवधि के दौरान मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ है । इसके उल्ट, समग्र मांग क्षति अवधि के दौरान बढ़कर 36% हो गई । इसलिए, मांग में संभावित गिरावट वह कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो । खपत के ढंग में परिवर्तन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है, न ही जांच से खपत के ढंग में संभावित परिवर्तन प्रदर्शित हुए हैं ।

प्रौद्योगिकी विकास, निर्यात निष्पादन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता

63. हितबद्ध पक्षकारों में से किसी ने यह मुद्दा नहीं उठाया है कि इन कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची है । इसके अलावा, जांच से यह प्रदर्शित नहीं हुआ है कि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी में कोई उल्लेखनीय निर्यात नहीं हुए हैं न ही घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में कमी आई है । वस्तुतः 2002-03 के पश्चात, घरेलू उद्योग के निर्यात में 2003-04 में उल्लेखनीय गिरावट आई है तथा इसके पश्चात वृद्धि हुई है ।

छ. निष्कर्षः

64. प्राधिकारी पूर्वोक्त पर विचार करते हुए इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :
- क. संबद्ध देश से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर हुआ है ;
 - ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ;
 - ग. क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

ज. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे:

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य रूप से पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को निष्प्रभावी करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली तथा निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो देश के व्यापक हित में है । पाटनरोधी उपायों को लगाने से संबद्ध देश से आयात पर किसी रूप में प्रतिबंध नहीं लगेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

66. पूर्वोक्त के मद्देनजर प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं तथा यहां नीचे दी गई रीति और ढंग से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

67. प्राधिकारी द्वारा अनुपालन किए गए कमतर शुल्क नियमों पर विचार करते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन तथा क्षति के मार्जिन में कमतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाए । तदनुसार, संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में इंगित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना से की जाती है ।

क्र. सं.	टैरिफ मद	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	280920	फॉस्फोरिक एसिड	तकनीकी, औद्योगिक या खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई भी	मै. युनान चेम्सफोस कार्पो.	206	मी.ट.	अम.डॉ
2	-वही-	-वही-	तकनीकी, औद्योगिक या खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई भी	उपरोक्त के अलावा कोई	242.63	मी.ट.	अम.डॉ
3	-वही-	-वही-	तकनीकी, औद्योगिक या खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित)	चीन जन.गण.	उपरोक्त के अलावा कोई	कोई भी	कोई भी	242.63	मी.ट.	अम.डॉ
4	-वही-	-वही-	तकनीकी, औद्योगिक या खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित)	उपरोक्त के अलावा कोई	चीन जन.गण.	कोई भी	कोई भी	242.63	मी.ट.	अम.डॉ

ट. आगे की प्रक्रिया

68. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिन पर अनंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा,

ख. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, याचिकाकर्ता और संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है जो प्रारंभिक निर्धारण की तारीख से 40 दिनों

के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है,

- ए. प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन करेंगे,
- घ. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का खुलासा करेंगे।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd August, 2007

PRELIMINARY FINDINGS

Subject : Anti-Dumping Investigation concerning imports of Phosphoric Acid—Technical and Food Grade (including industrial grade) originating in or exported from China PR.

No. 14/7/2006-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995(hereinafter referred to as AD Rules), thereof:

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received an application filed by M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited and Solaris Chemtech Limited, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Phosphoric Acid – Technical Grade and Food Grade (Including Industrial Grade) (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).
 - ii) The Authority on the basis of evidence submitted by the applicant found it appropriate to initiate the investigation concerning imports of subject goods originating in/or exported from China PR. The authority notified the Embassy of China PR in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.
 - iii) The Authority issued a public notice dated 04.07.2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under Chapter 28 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR.

- iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the applicant) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by the applicant) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- vi) Request were made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods made in India for the period of investigation and preceding three years.
- vii) The Authority provided copies of the non confidential version of the application to the known exporters and the Embassy of China in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- viii) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4).
- ix) M/s Yunnan Chemphos Corporation, exporter from China PR, submitted information on exporter's questionnaire on 9.4.2007.
- x) Other exporters, producers and other interested parties who have not supplied information in this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xi) A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was forwarded to all the known exporters and the Bureau of Fair Trade (BOFT), Govt. of China. While for the purpose of initiation the normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR, the Authority informed known exporters that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules, as amended. The exporter/producer of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporter/producers.
- xii) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user/Associations:-
1. M/s. Chemetall Rai India Ltd. (through Fair Trade Practice)
- xiii) Importers/users who have not provided information in this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xiv) Information regarding injury was sought from the applicant and other domestic producers also.

- xv) Applicants requested for amendment in the initiation notification, which was examined by the Authority. On being satisfied, the Authority issued a corrigendum dated 11th Sept 2006. Opportunity was provided to all interested parties to make their submissions, if any, to the Designated Authority with regard to the corrigendum issued.
- xvi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xvii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xviii) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xix) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2005 to 31st March 2006 (12 months) i.e. the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2002 - March 2003, April 2003 – March 2004 and April 2004 – March 2005 and the POI.

B. Product under consideration and like article

- B.1 Submission by the domestic industry
- 3. Submissions made by the domestic industry are as below:
 - i) The Product under consideration in the present petition is "Phosphoric Acid- Technical Grade & Food Grade".
 - ii) Phosphoric Acid is used for the production of sodium phosphate, calcium phosphate, magnesium phosphate, ammonium phosphate, etc. The subject goods are also being used in Pharmaceutical applications, Beverages, Seed processing, Sugar juice clarification and sugar refining, Food phosphate manufacturing, etc.
 - iii) Phosphoric Acid is an inorganic chemical classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act and subheading numbers 28092010 of Indian Trade Classification (based on harmonized commodity system). The custom classification for all forms /grades /types of Phosphoric Acid is same.
 - iv) There are no restrictions on imports of Phosphoric Acid, as the product does not fall under restricted list. The product can be imported freely from any country in any quantity.

- v) The notice of initiation issued by the Designated Authority states scope of the product under consideration as "Phosphoric Acid-Technical Grade and Food Grade (i.e. excluding industrial grade) originating in or exported from People's Republic of China". Thus, industrial grade of phosphoric acid has been specifically excluded in the notice of initiation, whereas industrial grade is nothing but the product under consideration. Product literatures of the Indian Producers describes various types of Phosphoric Acid as (a) agriculture grade (also called fertilizer grade), (b) technical grade, (c) food grade, (d) pharma grade, or (e) laboratories/analytical reagent grade. Product literatures of the Chinese Producers describes technical and food grade as industrial grade. A large number of different nomenclature are used by the Chinese producers. No uniform standard description is used by the Chinese producers. Various descriptions used by the Chinese producers for Agriculture Grade Phosphoric Acid include Phosphoric Acid – Agriculture Grade, Phosphoric Acid - Fertilizer Grade, Purified Phosphoric acid. For Industrial grade Phosphoric Acid, various descriptions used by the Chinese producers/suppliers are Phosphoric Acid – Technical Grade, Phosphoric Acid – Food Grade, Phosphoric Acid – JIS Standard, Phosphoric Acid – As per Customer's Specifications, Phosphoric Acid – High Purity, Phosphoric Acid – Medicine Use, Phosphoric Acid – Grade 1, Phosphoric Acid – Grade 2, Phosphoric Acid – 75%, Phosphoric Acid – 75% - Technical Grade, Phosphoric Acid – 85%, Phosphoric Acid – 85% -Technical Grade, Phosphoric Acid – 85% - Food Grade, Phosphoric Acid – 85 % - Industrial Grade, Purified Phosphoric acid, etc. Product literatures of third country Producers include Phosphoric Acid - Agriculture grade, also described as Fertilizer grade or merchant grade, Phosphoric Acid - Industrial grade, Phosphoric Acid - Technical grade, Phosphoric Acid - Food grade, Phosphoric Acid - Pharma grade, Phosphoric Acid - IP grade, Reagent/ Laboratory Grade, Merchant Grade, Electronic Grade, Purified Phosphoric acid, Codex grade, etc. USA has earlier imposed anti dumping duties on this product, where the product covered was Industrial Phosphoric Acid (excluding agricultural grade).
- vi) In summary, phosphoric acid can be broadly divided into two categories - for agriculture applications and industrial applications. Industrial application phosphoric acid can be food grade, technical grade and IP grade (also called pharma grade). Various industrial phosphoric acid are comparable and like products. Various types and concentration of the product are being produced and sold in both Indian and Chinese market. Should the anti dumping duties be restricted to food grade and technical grade and further should it be specifically stated that the industrial grades are exempted, the same would imply continued imports at the same dumping prices in spite of imposition of anti dumping duties. Since Pharma grade is also nothing but an industrial grade, the same is required to be included as a derivative of food grade.

- vii) Anti dumping duties were earlier imposed on Phosphoric Acid - Technical Grade. However, in spite of imposition of anti dumping duties, the domestic industry did not improve fully for the reasons that the consumers started importing food grade.
- viii) There was significant decline in imports of technical grade and significant increase in imports of food grade. The import price of food grade was significantly lower than import price of technical grade, whereas factually, food grade is priced higher than technical grade.
- ix) Whereas technical grade may not substitute food grade in all applications, reverse is true. Food grade, being purer material than technical grade, can technically substitute technical grade in 100% applications. Should the food grade price be lower than technical grade, it follows that it would ~~it~~ commercially also substitute technical grade. Thus, in spite of imposition of anti dumping duties on technical grade phosphoric acid, de-facto little relief could be achieved by the previous imposition of anti dumping duties.
- x) There is no known difference in product produced by the participating companies and exported from China PR. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. Comparison of essential product properties in respect of domestic product and imported product would show that the goods produced by the domestic industry are identical to the imported goods in terms of essential product properties. The goods produced by the domestic industry are like article to the goods imported from China.

B.2 Submission by Exporter, Importer, Consumer and other interested parties

4.

- i) Domestic industry has described product under consideration in the present petition as "Phosphoric Acid – Technical Grade and Food Grade". Clearly, domestic industry is seeking protection on two individual grades of Phosphoric Acid only and has expressly excluded any other grade of Phosphoric Acid out of the purview of present anti dumping investigation.
- ii) Domestic industry had earlier filed a petition for imposition of anti dumping duty on Technical Grade Phosphoric Acid, based on which, Designated Authority recommended imposition of anti dumping duty. The anti dumping duty so recommended came into force from 10th May 2001 vide customs notification no. 47/2001 and remained in force till 10th May 2006. As per definition of product under consideration in the previous investigation, the domestic industry had claimed Phosphoric Acid – Technical Grade as separate grade from any other grade of Phosphoric Acid and sought duty cover only for Technical Grade of Phosphoric Acid while excluding all other grades of Phosphoric Acid.

- iii) Domestic industry has attempted to enhance the scope of the present investigation and is seeking duty cover on two grades of Phosphoric Acid i.e. Technical Grade and Food Grade. It is submitted that GACL is not a producer of Food Grade Phosphoric Acid and credentials of Solaris Chemtech Limited as a producer of food grade Phosphoric Acid are also un-established as they have not given any details concerning their production for food grade as well as technical grade separately.
- iv) Two grades of Phosphoric Acid i.e. Technical Grade and Food Grade are two separate products and are not like article to each other. The applications of the two grades are also distinct from each other as one is used for industrial purpose while the other is used for production of food grade and pharmaceuticals. Therefore, in the absence of production of food grade by the domestic industry in India, the Designated Authority should exclude food grade phosphoric acid from the purview of present anti dumping investigation.
- v) A plain reading of Section 9A(1) of the Indian Customs Tariff Act 1975 clearly lays down that an anti dumping duty can be imposed on an article only when an article is exported at less than its normal value. CESTAT in the matter concerning Andhra Petrochemicals Limited v/s. Designated Authority has held that an article which has not been exported to India can not, therefore, be subjected to imposition of anti dumping duty. It has been admitted by the Domestic Industry that Phosphoric Acid industrial grade has not been imported from China PR. Merely because domestic industry has apprehension that the same could be dumped in near future, can not be made a valid point for initiation of investigation for industrial grade.
- vi) Various types of phosphoric acid have different properties, purity, uses and price structure.

B.3 Examination by the Authority

5. The Product under consideration in the present investigation is "Phosphoric Acid - Technical Grade & Food Grade" (including industrial grade). Phosphoric Acid is used for the production of sodium phosphate, calcium phosphate, magnesium phosphate; ammonium phosphate, pharmaceutical applications, beverages, seed processing, sugar juice and sugar refining, food phosphate manufacturing, etc. Phosphoric Acid is classified under Customs subheading No. 28092010. The custom classification is however, indicative only and has no binding on the scope of the present investigation.

6. Authority notes various issued raised by opposing interested parties regarding product under consideration and like article. Detailed investigation was conducted at the time of verification at the premises of both the producers, which focused on the production process involved in producing various types of phosphoric acid, the plant & equipment required and raw materials used for production.

7. As regards inclusion of food grade within the scope of the product under consideration, the Authority notes that technical grade phosphoric acid is produced first. Production of food grade merely requires further purification. No additional raw materials are required. The purification process merely require additional utility only. M/s. Solaris Chemtech is regularly producing food grade and supplying to the customers. Evidence shows that both food grade and technical grade are being produced in India and were imported from China during the relevant period. The Authority further notes that food grade can also be used in industrial activity in lieu of technical grade.

8. It has been stated by an interested party (importer) that industrial grade is a separate grade and by including industrial grade, by issue of corrigendum, in the investigation, the scope of product under consideration has been enhanced. The Authority notes that the corrigendum was issued on the basis of documents/submissions of the domestic industry that the term 'industrial grade' relating to phosphoric acid by Chinese companies are used for food and technical grades as well. It has been noted that the interested party has not submitted any back up evidence showing that industrial grade is another specific grade. On examination of the documents of the Chinese producers, the Authority notes that the term 'industrial grade' is being interchangeably used for other grades of the Phosphoric Acids used for industrial applications. Therefore, by issue of corrigendum the scope of present investigation has not been enhanced. The Authority further observes that the Phosphoric Acid used for agriculture purpose (or 'fertilizer grade') is not covered in the scope of the present investigation.

9. In view of the above, the Authority confirms that the scope of the product under consideration is Technical Grade & Food Grade Phosphoric Acid (including Industrial Grade).

10. The domestic industry is producing phosphoric acid both technical and food grade. The goods produced by the domestic industry are technically and commercially substitutable to the imported product under consideration. The two are comparable in terms of product specifications, physical and chemical properties, functions and uses, prices and custom classification, therefore, the products produced by domestic industry are being treated as 'like article' to the product under consideration.

C Domestic Industry

11. Authority notes that the application has been filed by two of the four Indian producers i.e. M/s Gujarat Alkalies & Chemicals Limited and M/s Solaris Chemtech Limited. Other two producers are Star Chemicals and STS Chemicals. Production of the two applicants accounts for 92% of the Indian production and thus constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2(b).

D Methodology For Dumping Margin Determination

D.1 Submission made by domestic industry

12. Domestic industry has made following submissions:-

- i) China is a non-market economy. No country has granted market economy status to China after following elaborated evaluation procedure. China has been treated as non-market economy by European Union and United States in the past three years. Even China agreed in the accession treaty that WTO Members could use an NME anti-dumping methodology through December 11, 2016. European Union and United States are members of World Trade Organization. In India also, the Designated Authority has treated China as non-market economy. The Designated Authority has treated China as non-market economy in practically all the investigations initiated against China after the amendment dated 31st May, 2002. Even after the amendment dated 4th Jan., 02, the Designated Authority have treated China as a non-market economy. With regard to treatment of China as non-market economy by other WTO member's country, European Commission, in the matter of Furfuryl Alcohol, Paracresol, Polyethylene Terephthalate, Silicon, Okoume Plywood from China, has treated China as a non-market economy. USA has treated China as a non-market economy in the matter of anti-dumping investigations concerning imports of Tetrahydrofurfuryl Alcohol, Saccharin, Ferrovanadium, Cold-rolled carbon steel flat products etc.
- ii) The normal value in China can be determined considering cost of production in India, duly adjusted, to include selling, general & administrative costs and profits.

D.2 Submissions made by M/s Chemetall-Rai India Ltd.

13. It has been stated that normal value in China PR can not be determined on the basis of cost of production in India, as Rules do not provides for the same. Use of constructed normal value on the basis of cost of production in India should be rejected without any consideration.

D.3 Examination by the Designated Authority

14. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation. Upon initiation, the Authority advised the Chinese producers to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status.

15. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c) and Annexure-I to the Rules. The Authority has requested Government of China to advise producers/exporters in China to cooperate with the Authority in the present investigation. Authority, however, notes that none of the producers/exporters from China PR have filed any response to the Designated Authority in respect of market economy treatment questionnaire. Therefore, the presumption of non-market economy has not been rebutted by any of the exporters/producers by providing documents as required under para 8(3) of Annexure 1 of Anti-Dumping Rules.

D.4. Normal Value

16. In anti-dumping investigations concerning imports originating in non-market economy normal value shall be determined in accordance with para 7 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

17. Applicants have not provided information concerning price in a market economy third country stating that the relevant information is not available to them. None of the Chinese producers have made any submissions in this regard. While disputing the claim of the domestic industry, other interested parties have not provided any information in this regard.

18. The transaction-wise imports data from DGCI&S shows imports from Korea ROK and Israel account for 6.28% and 3.10% of the total imports respectively. These two countries account for maximum imports after the imports from the subject country. The imports from Korea ROK were mainly of technical grade. However, small percentage of food grade was also imported. In respect of Israel, imports constitute only technical grade. Comparison of the export price from these two countries shows wide difference of the prices. The export prices from Korea ROK were approximately 20% less than the prices from Israel. The Authority in order to select the appropriate prices as normal value compared the export price from Korea ROK with the constructed normal value for this country. For constructing the normal value, the raw material prices were taken at the international prices and power prices as available for the exporting country. The consumption norm and conversion cost for the other elements have been taken of the efficient domestic producer. The comparison shows that imports from

Korea ROK were well below the constructed normal value. Moreover, the domestic industry has also filed an application for investigation in respect of imports from Korea ROK.

19. In view of above the export price from Israel is taken as normal value as per para 7 of Annexure-1. The expenses as per facts available have been adjusted from the export price to arrive at ex-factory normal value. By this method the normal value has been calculated as US\$ *** PMT for technical grade. Normal value for food grade has been calculated by addition of conversion cost incurred from technical grade to food grade by the domestic industry. The normal value for the food grade has been calculated as US\$ *** PMT.

D.5. Export Price for M/s Yunnan Chemphos Corporation

20. M/s Yunnan Chemphos Corporation, exporter from China PR has submitted response to Exporter's Questionnaire and provided details of exports made to India during the POI. As per information, there were only 7 transactions of exports during the period of investigation. The Authority provisionally accepted the information relating to exports and expenses subject to verification for the purpose of determining export price to India. The export price has been adjusted on account of overseas freight, overseas insurance and others as provided by the exporter. By this method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ *** PMT.

D.6. Export price for Non-cooperating Exporter

21. The Authority has determined export price as per the transaction-wise details of imports provided by the DGCI&S. The imports regarding agriculture/fertilizer have not been taken into consideration for determining the export prices. The imports data were further segregated for food and technical grades. From the data, it was also noticed that imports of Phosphoric Acid (Food and Technical Grade) came only in packed form. Export prices for both the grades so determined have been adjusted for expenses on account of Ocean Freight, Marine Insurance, and others, etc. based on facts available. By adopting this method, the ex-factory export price has been determined as US\$*** PMT for technical grade and US\$ *** PMT for food grade.

D.7. Dumping Margin

22. Based on the normal value and export price as determined above, dumping margin determined are as under:

Technical Grade

US\$/MT

Exporter/ Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %
--------------------	--------------	--------------	----------------	------------------

Non cooperating producers and Exporters from China PR	***	***	***	12.98%
---	-----	-----	-----	--------

Food Grade

Exporter/ Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	US\$/MT
M/s Yunnan Chemphos Corporation	***	***	***	43.21%	
Non cooperating producers and Exporters from China PR	***	***	***	55.66%	

Weighted Average.

Exporter/ Producer	Dumping Margin	Dumping Margin %	US\$/MT
M/s Yunnan Chemphos Corporation	***	43.21%	
Non cooperating producers and Exporters from China PR	***	55.37%	

The above determined dumped margin is more than *de minimis*.

E. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

E.1 View of the domestic industry

23. The domestic industry made the following submissions:-

- i) Volume of dumped imports has increased in absolute terms and in relation to production and consumption in India. As a result of increase in imports in absolute term and relative to production and consumption, share of the domestic industry has declined. Anti dumping duties were earlier imposed on imports of technical grade. With the imposition of anti dumping duties on technical grade, gradually food-grade imports increased.
- ii) The product is being transshipped from a number of countries. Petitioners have included all these transshipped imports in the determination of demand.
- iii) Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry. Further, imports have had significantly depressing effect on the prices of the domestic industry in the market.
- iv) Production, capacity utilization and sales of the domestic industry increased. Imposition of anti dumping duty on Technical Grade helped prevent further decline and resulted in improvement with regard to

- production and capacity utilization. However, increase in sales remained less than increase in production.
- v) Petitioners submit that due to continuous availability of dumped material, the petitioners are unable to improve their performance to optimum level. Even though it is recognized that the financial losses (PBT) of the domestic industry reduced, it would be seen that the domestic industry continues to be in financial losses (PBT) - a situation, no industry can afford to sustain on long term basis. Further, losses increased once again in the investigation period as compared to preceding year.
- vi) Continued financial losses being solely due to the presence of dumped imports in the market in one form or the other, injury to the domestic industry from such dumping is evident.
- vii) Market share of other countries have also declined and the same have also been captured by China.
- viii) Employment level of the domestic industry remains more or less constant.
- ix) Productivity of the domestic industry increased with increase in production.
- x) ROI (PBIT) and cash profits, which were negative earlier, became positive in 2004-05. However, ROI and cash profits became negative once again in the investigation period.
- xi) Inventories declined up to 2004-05, but increased in the investigation period.
- xii) Growth of the domestic industry was positive up to 2004-05 in respect of most of the parameters. However, growth once again became negative in 2005-06.
- xiii) The dumping margin from subject country is not only more than de minimus but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant.
- xiv) There is no contraction in demand of the subject product. Possible decline in the demand has not caused material injury to the domestic industry.
- xv) Injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.
- xvi) The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. At best, it can be considered that technical grade consumers have started consuming food grade also. However, this is not due to technical requirement. This is due to availability of dumped imports from China. Changes in the pattern of consumption could not have, therefore, contributed to the injury to the domestic industry. In any case technical & food grades being two forms of the product under consideration, inter-se substitutability is irrelevant.
- xvii) There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry.
- xviii) Technology for production of the product has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.
- xix) Claimed injury to the domestic industry is on account of domestic operations. The domestic industry is substantially into domestic market and not exports.

- xx) Performance of other products did not cause any impact over injury to the domestic industry.
- xxi) There is significant difference between the prices offered by the domestic industry and Foreign Producers. Even when the domestic industry is offering sub-optimal prices, imports are increasing. Resultantly, domestic industry is loosing sales. Thus, decline in sales volumes is a direct consequence of dumped imports from subject countries;
- xxii) Price undercutting caused by the continued dumped imports is causing continuous price pressure on the domestic industry. As a direct consequence, the domestic industry continues to suffer financial losses in spite of imposition of anti dumping duties;
- xxiii) Continued financial losses have been resulting in adverse performance in terms of cash flow and ROI. Thus, continued adverse profits, return on capital employed and cash flow is directly due to dumped imports.

E.2 Views of Other Interested parties

24

- I) The domestic industry has not completed all sections of the application proforma as require to constitute a valid and fully documented application.
- II) In terms of Rule 5 after determining standing Designated Authority has to examine the accuracy and adequacy of the evidence provided by the domestic industry and required to satisfy itself that there is sufficient evidence with regard to dumping injury and causal link to justify the initiation of the investigation. Only after fulfilling this requirement, Designated Authority can proceed further.
- III) Petitioner prima facie does not show any injury to the domestic industry. All economic parameters suggest sign of growth. Initiation of the investigation is therefore, without establishing injury to the domestic industry.
- IV) Domestic industry has alleged that material is being imported from a number of other countries also, for which petitioners are aware that there is no producer for product concern. The petitioners have neither provided any basis nor Information/evidence in support of their claim.
- V) Petitioner have not been able to bring any evidence on record regarding transshipment, Designated Authority is therefore, requested not to pay any attention with regard to claim of the domestic industry in this regard.
- VI) Information provided by the petitioner does not provide whether the demand is assessed for technical grade or food grade.

- VII) Imports have taken place not due to dumping but due to suspension of supply by the domestic producer and erratic supply. Food grade imports taken place due to lack of production by the domestic industry.
- VIII) No price undercutting analysis has been provided by the domestic industry, therefore, no injury can be claimed.
- IX) No injury has been claimed on account of production, sales, and capacity utilization by the domestic industry.
- X) Profitability of the domestic industry improved when compared to base year.
- XI) Market share of the domestic industry claimed to have been declined, which is not possible as sales of the domestic industry have increased.
- XII) No injury is claimed on account of employment, wages and productivity.
- XIII) There is no nexus between performance of the domestic industry and imports.
- XIV) Marginal increase in inventories can not be the reason of injury to the domestic industry.
- XV) Growth of the domestic industry in terms of all the parameters has been positive.
- XVI) Domestic industry has failed to establish any causal link between alleged dumping and injury to the domestic industry.

E.3. Examination by the Authority

25. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that

"A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products."

26. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all

relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

Volume and market share in dumped imports

27. Imports volume from subject countries and other countries has been as under:

Imports in MT	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
China PR	180	41	3,148	4,600
Trend	100.00	22.74	1,744.99	2,549.69
Other Countries	774	530	2,974	553
Total Imports	954	571	6,122	5,153
Market Share in Imports %				
China PR	18.90	7.19	51.42	89.27
Other Countries	81.10	92.81	48.58	10.73

28. For analysis of imports, transaction-wise data of imports provided by DGCIS has been relied upon. The imports of Phosphoric Acid can be made in packed and loose form. The data shows that import consignments of Phosphoric Acid (Food and Technical Grade) ranges from 36 kg. to 70 MT. The domestic industry has informed that imports of Phosphoric Acid in loose form are commercially viable only in ship loads where volume of material could be in range of 2000 MT or multiple thereof. The data shows that the volume for imports of other grades are for quantity of more than 2000 MT (only few transactions ranges from 500MT to 2000 MT.). In absence of any other indication in data of imports, the Authority has accepted the argument of the domestic industry that imports of the Phosphoric Acid of Food and Technical Grade during POI were made in packed form. Data shows that imports from China PR has increased significantly from 180 MT in 2002-03 to 4600 MT during POI. During the same period imports from other countries declined. Further, China PR holds significant market share of total imports in India. It is also seen that between 2004-05 and investigation period, whereas Chinese imports increased significantly by 46% whereas from other countries it declined to 19%.

Market share in demand

29. Authority determined domestic consumption/demand of the subject goods considering domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and total imports of the subject goods into India. Demand of subject goods so determined is given in the following table:

Demand	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Total Imports in MT	954	571	6,122	5,153
Sales – domestic industry in MT	33,834	40,335	38,462	42,074
Sales – Other Producers in MT	3,500	4,000	4,286	4,759
Total Demand in MT	38,289	44,906	48,870	51,096
Trend	100.00	117.28	127.64	136.77
Market Share in Demand in %				
Domestic industry	88.37	89.82	78.70	80.93
Other Indian Producers	9.14	8.91	8.77	9.15
China	0.47	0.09	6.44	8.85
Other Countries	2.02	1.18	6.09	1.06

30. Data shows that demand of subject goods grew by 36% during POI as compared to base year. The market share of dumped imports in demand from China PR increased from 0.47% during 2002-03 to 8.85% during the POI whereas the market share of domestic industry has decreased from 88.37% to 80.93% during the same period.

Imports in relation to production of the domestic industry

31. Authority observed that the dumped Chinese imports have increased in relation to the production of the domestic industry, as is evident from the following table:

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Imports from China PR in MT	180	41	3,148	4,600
Production of domestic industry in MT	38,705	39,402	39,288	45,857
Imports from China in relation to production of domestic industry.(%)	0.47	0.10	8.01	10.03

32. It is evident from the above that dumped imports from China have increased in relation to production of domestic industry from 0.47% to 10.03%.

Capacity, production & capacity utilization

33. Capacity, Production and Capacity Utilization of the domestic industry is given in the following table:

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Capacity MT	50306	50306	50306	50306
Indexed	100.00	100.00	100.00	100.00
Production MT	38,705	39,402	39,288	45,857
Indexed	100.00	101.80	101.51	118.48

Capacity Utilization %	76.94	78.32	78.10	91.16
Indexed	100.00	101.80	101.51	118.48
Total Demand in MT	38,289	44,925	48,865	51,995
Indexed	100.00	117.33	127.62	135.80
Production in relation to Demand	101.09	87.71	80.40	88.19

34. The data shows that demand of subject goods grew by 36% during POI as compared to base year. During the same period there was no change in capacity of the domestic industry. Production and capacity utilization of the domestic industry grew by 18% during the corresponding period.

Sales

35. Sales Volume of the domestic industry is given in the following table.

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Sales in MT	33,834	40,335	38,462	42,074
Indexed	100.00	119.21	113.68	124.35
Year by year trend		19.21	(4.64)	9.39
Demand in MT	38,289	44,925	48,865	51,995
Indexed	100.00	117.33	127.62	135.80
Market Share in Demand in %	88.37	89.78	78.71	80.92
Indexed	100.00	101.60	89.07	91.57

36. The data shows that sales of the domestic industry increased by 24% during POI as compared to the base year. In comparison the demand of the subject goods grew by 36% during the same period. The share of domestic industry in demand declined from 88.37% in 2002-03 to 80.92% in POI.

Price Effect

37. The profitability, profits and cash flow of the domestic industry are given in the following table:-

Profitability (Average)

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Cost of Sales (Rs. Per MT)	***	***	***	***
Indexed	100.00	90.87	101.06	91.28
Selling Price(Rs. Per MT)	***	***	***	***
Indexed	100.00	99.85	130.74	129.57
Profit/Loss(Rs. Per MT)	***	***	***	***
Indexed	(100.00)	(71.06)	(35.58)	(6.84)
PBT Rs. Lacs	***	***	***	***

Indexed	(100.00)	(72.07)	(24.16)	6.19
Cash Profit Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	(100.00)	(80.12)	(24.04)	18.64

Profitability (Loose form)

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Cost of Sales Rs./MT	***	***	***	***
Trend	100.00	89.59	94.49	87.72
Selling price Rs./MT	***	***	***	***
Trend	100.00	99.93	125.89	129.62
Profit/Loss Rs./MT	***	***	***	***
Trend	(100.00)	(70.65)	(36.93)	(10.95)

Profitability (Packed form)

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Cost of Sales Rs./MT	***	***	***	***
Trend	100.00	92.16	99.50	94.65
Selling price Rs./MT	***	***	***	***
Trend	100.00	97.69	133.08	125.74
Profit/Loss Rs./MT	***	***	***	***
Trend	(100.00)	(76.05)	(1.76)	(4.17)

38. The data shows that the average cost of sales as compared to base year declined to 91% in 2003-04, rose to 101% before declining to 91.28% during POI. During the same period, the average selling price rose by 31% in 2004-05. However, it declined marginally in POI. The loss per unit declined consistently from base year to POI. In the indexed form -100 in the base year declined to -7 in POI. The cost of sales of the product in loose form from the 100 of base year declined to 90% in 2003-04, increased to 94% in 2004-05 before declining to 88% in POI. During the same period, the average selling price in loose form increased by 26% in 2004-05, by 30% in POI. The average cost of sale of the product in packed form from the 100 of base year declined to 92% in 2003-04, increased to 99% in 2004-05 before declining to 95% in POI. The average selling price in packed form from the 100 of base year declined to 98% in 2003-04, increased by 33% in 2004-05 before declining to 26% in POI. Profitability in the case of loose form shows improvement from base year to POI. (Per unit loss declined from base year to POI) The profitability in case of packed form shows improvement from base year to 2004-05, i.e. the per unit loss declined from base year to 2004-05, however, it again deteriorated in POI. The Authority notes that imports during POI were made only in packed form.

39. The profit (PBIT) shows consistent improvement from base year to POI. In indexed form the loss in base year from -100 turned to profit of 6.19 in POI.

Cash Flow

40. Authority notes that both the constituents of the domestic industry are multi products, multi location companies. None of the companies maintain separate information regarding cash flow in the product under investigation. Authority, therefore, determined cash profit/cost ratio of the domestic industry which shows that cash profit continuously improved from base year to POI. In the year 1999 from -100 in base year it became 18.64 in POI.

Factors affecting domestic prices

41. For examination of effect of dumped imports from China on the domestic industry, Authority has done a comparison of the domestic selling price of the subject goods (separately for each grade) with the landed value of imported product to determine price undercutting. The net sales realization was arrived after making all necessary adjustments. The landed value of the subject goods were compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports from China PR has been undercutting the selling price of the domestic industry in the relevant period. During POI, the undercutting was in the range of 20-30% in food grade and negative in technical grade.

Price Underselling

42. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producers by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The analysis shows that the landed value of subject goods from China PR is much below the non-injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation. The underselling margin was within a range of 10-20% for technical grade and 35-45% food grade from China during the POI.

Price undercutting – POI	Tech Grade	Food Grade
Export Price Rs. Per MT	27139	22274
Landed Price Rs. Per MT	31522	266.8
Selling price Rs. Per MT	***	***
Price undercutting Rs. Per MT	***	**
Price undercutting %age	***	**
NIP (Packed)	***	***
Price Underselling Rs./MT		
Price Underselling %	***	***

Return on capital employed

43. The information regarding return on capital employed is given in the table below:

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Net Fixed Assets Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	100.00	92.91	88.78	88.61
Working Capital Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	100.00	211.90	188.97	239.22
Capital Employed Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	100.00	112.33	105.13	113.19
Capital Employed For Domestic Sales Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	100.00	127.25	117.72	126.52
PBIT Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	(100.00)	(72.07)	(24.16)	6.19
Return on Capital Employed – NFA %	***	***	***	***
Indexed	(100.00)	(56.63)	(20.52)	4.89

44. The return on capital employed for domestic industry shows consistent improvement from base year to POI. On NFA basis, from -100 in base year it turned to 4.89 in POI.

Employment and Wages

45. Employment & Wages levels of the domestic industry are given in the following table:

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Employment No	***	***	***	***
Indexed	100.00	99.66	98.28	102.41
Wages Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	100.00	96.15	77.24	90.59

46. It is noted that there is no significant difference in the employment and wages.

Productivity

47. Productivity of the domestic industry, as reflected in terms of production per employee, is given in the following table

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Production	MT	***	***	***	***

Employment	NO	***	***	***	***
Productivity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102.15	103.28	115.68

50. The productivity of the domestic industry i.e. production per employee improved by 16% during POI as compared to base year.

Growth

51. It has been observed that growth was positive in all parameters from base year to POI.

Inventory

	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Inventory in MT	***	***	***	***
Indexed	100.00	69.15	38.15	181.84
Sales in MT	***	***	***	***
Inventory for no. of days sales (Days)	***	***	***	***
Indexed	100.00	58.00	33.56	146.23

52. The average inventory in terms of number of days' sales from base year to 2004-05 declined, however, it increased during POI. In the base year, it was equivalent to 9 days whereas in POI it increased to 14 days.

Ability to raise capital/investment

53. Designated Authority notes that both the petitioners are multi product companies and ability to raise investment may not be an indicator of impact of dumping on the domestic industry.

5.4. Conclusion

54. The imports from China increased significantly in 2004-05 and POI. It was 4600 MT during POI as compared to 180 MT in the base year. The market share in imports from subject country increased to 89.27% in POI as compared to 18.90% in the base year. The demand of the subject goods grew by 36% in POI as compared to base year. The domestic industry could increase their production and capacity utilization by 18%. However, the share in demand of the domestic industry declined from 88.37% in base year to 80.93% during POI. The production, sales and capacity utilization of the domestic industry in 2004-05 was less than that of POI as production facility of one of the producer had shut down for 107 days. The average inventory in terms of sales days increased from 9 days in base year to 14 days during POI, however, it was equivalent to 4 days in 2004-05. The closing stock in POI risen sharply to 23 days as compared to 5 days in the preceding year i.e. 2004-05.

54. The average cost of sales as compared to base year declined to 91% in 2003-04, rose to 101% before declining to 91.28% during POI. During the same period, the average selling price rose by 31% in 2004-05. However, it declined marginally in POI. The loss per unit declined consistently from base year to POI. In the indexed form -100 in the base year declined to -7 in POI. The analysis of data shows that the selling price of the Phosphoric Acid in packed form was directly impacted and it declined in POI. The profitability was improving from base year to 2004-05, deteriorated in POI. The selling price in loose form increased and profitability improved further, however, the domestic industry was still making per unit loss during the POI. The cost of sales (average) for loose and packed form declined during POI as compared to preceding year, the selling price also declined, however, the domestic industry were making per unit loss even during the POI despite improvement in profitability. The return on capital employed was negative in the base year and showed improvement and become marginally positive during the POI.

55. The performance of the domestic industry shows improvement in production, sale and capacity utilization. However, the domestic industry could not take advantage of growth in demand as there remained unutilized capacity even during POI. The impact of imports was visible during POI as compared to preceding year in the form of significant rise in closing stock. The financial performance of the domestic industry improved as the average loss per unit declined significantly. However, the performance started showing deterioration during POI as compared to preceding year i.e. 2004-05 particularly in case of Phosphoric Acid in packed form.

56. The above analysis shows that the domestic industry has suffered material injury.

F. Causal Link and Other Factors

57. The anti-dumping measure was in force on Phosphoric Acid (Technical Grade). (It expired on 9.5.2006) The imports during 2002-03 and 2003-04 declined significantly. In 2004-05, the production of one of the producers of the domestic industry suffered for 107 days due to fire in their plant. During this year, there was surge in imports at significantly higher prices. The export price increased by 175% as compared to previous year and the landed value was much higher than that of the net selling price of the domestic industry indicating that when there was gap in demand and supply in India and domestic industry was not in position to supply goods, the exporters increased the prices significantly to take advantage of shortage of goods in the country. In 2005-06, the domestic producer was in position to restore the production, however, the export price declined to 87% of the previous year for Technical Grade. Significantly, the export price of the food grade which should be normally higher than that of technical grade was being sold at prices lower than that of technical grade. As compared to price of technical grade of previous year, the export price of the food grade was 71% during the POI. During the POI, there was negative undercutting in the technical grade, however, in the food grade there was substantial undercutting. In 2004-05, when the landed value was not undercutting the

selling price of the domestic industry, the selling price of the domestic industry increased by 31% as compared to previous year. During POI, the selling price of the domestic industry declined to 99% of the base year in view of the undercutting from the imports. During POI, the cost of production of domestic industry has declined, however, the domestic industry was making per unit loss in 2005-06 even though there was improvement in profitability. There was, however, no reason for the domestic industry to reduce the selling price except that of pressure of dumped imports. The impact of dumped imports were pronounced on the packed form in India as imports came in the packed form. The selling price of the packed product during POI declined to 94.4% as compared to 2004-05. The cost of sales though also declined to 95.1% during the same period, the losses per unit deteriorated significantly by 139%. The dumped imports did not impact the product in loose form immediately, therefore, there was improvement in the profitability.

58. The demand of the subject goods grew by 36% during POI as compared to base year. The capacity of the domestic industry remained same during the entire injury period. The production and capacity utilisation of the domestic industry grew only by 19% as compared to growth in demand of 36% during the same period. The sale of the domestic industry grew by 24%. The capacity utilization of the domestic industry has shown improvement, however, keeping in view the healthy growth in demand, the capacity of the domestic industry remained unutilized. The average inventory of the domestic industry grew by 81% from base year. In terms of sale days it increased from 9 days in the base year to 14 days. During POI, closing stock of the domestic industry increased to 23 days of sale days as compared to 5 days in 2004-05. As compared to base year, the closing stock increased from 11 days to 23 days.

59. Though the domestic industry was in position to improve production, sales and capacity utilization with the imposition of anti-dumping duty on technical grade, however, during POI the pressure of imports impacted the performance of the domestic industry as indicated from steep rise in inventory and declining selling price of the domestic industry despite the fact that the domestic industry was still making per unit loss, establishing causal link between imports and injury to the domestic industry.

Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

60. It is noted that about 90% imports are from China. Imports have been reported from Israel and South Korea, in addition to China. Imports from Korea ROK were also made at the prices which may have also impacted the selling price of the domestic industry, however, the domestic industry in this regard has already made application requesting for initiation of investigation. The imports from Israel were made at significantly higher prices than that of China.

Performance of Other Domestic producers:

61. There are two other domestic producers of the subject goods apart from the applicants. M/s. Star Chemicals and STS Chemicals. Authority has sent letters to these producers requesting them to provide injury and costing information. M/s Star Chemicals provided some information, however, subsequently the company did not reply to the queries raised by the Designated Authority.

Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

62. The Authority did not find any trade restrictive practices followed by the domestic industry or other Indian producers.

Contraction in demand or Changes in the pattern of consumption

63. It is noted that there is no contraction in the demand during the period under consideration. On the contrary, the overall demand has increased by 36% over the injury period. Therefore, possible decline in demand is not a factor which could have caused injury to the domestic industry. There is no argument by interested parties regarding the change in the pattern of consumption, nor has investigation shown possible changes in consumption pattern.

Developments in Technology, Export performance and productivity of the Domestic Industry

64. None of the interested parties have raised any issue that these factors could have caused injury to the domestic industry. Further, the investigation has not revealed that technology for production of the subject goods has undergone any significant change. Domestic industry does not have significant exports except 2002-03, nor export performance of the domestic industry has declined. In fact, after 2002-03, exports by the domestic industry declined significantly in 2003-04 and increased thereafter.

G. Conclusions

65. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;
- The domestic industry has suffered material injury;
- The injury has been caused by the dumped imports from subject country.

H. Indian Industry's Interest & Other Issues

66. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian

market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

I. Recommendations

67. In view of the above, the Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

68. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

SN	Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	28020	Phosphoric Acid	Technical, Industrial or Food Grade (including industrial grade)	China PR	China PR	Any	M/s Yunnan Chemphos Corp.	206	MT	US\$
2	-do-	-do-	Technical, Industrial or Food Grade (including industrial grade)	China PR	China PR	Any	Any other than above	242.63	MT	US\$
3	-do-	-do-	Technical, Industrial or Food Grade (including industrial grade)	China PR	Any other than above	Any	Any	242.63	MT	US\$
4	-do-	-do-	Technical, Industrial or Food Grade (including industrial grade)	Any other than above	China PR	Any	Any	242.63	MT	US\$

J. FURTHER PROCEDURE

69. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make

known their views, within forty days from the date of publication of preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority